राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 20 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-324 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संसद परिसर में हुई धक्का-मुक्की, माहौल गरमाया

-भाजपा सांसद गिरे और धक्का देने का लगाया आरोप

राहुल गांधी ने कहा- संसद में जाने से रोका गया

नई दिल्ली।

संसद परिसर में गुरुवार सुबह धक्का-मुक्की होने से सियासी माहौल गरमा गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने धक्का दिया जिससे भाजपा सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत गिर गए और चोटिल हो गए। वहीं राहुल गांधी का कहना है कि जब वो संसद के अंदर जा रहे थे तभी उन्हें रोकने का प्रयास किया गया और उनके साथ धक्का-मुक्की की गई। संसद परिसर में गुरुवार को हुई धक्का-मुक्की को लेकर अब राजनीति गरमा गई है। सत्ता पक्ष का राहुल पर

आरोप है कि उन्होंने भाजपा सांसद प्रताप सारंगी को धक्का दिया, जिससे वो गिर गए और चोटिल हो गए। इस धक्का-मुक्की में दो सांसदों के घायल होने की बात कही जा रही है। इस मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कहना है कि मकर द्वार से हम लोग संसद में प्रवेश कर रहे थे, तभी वहां मौजूद भाजपा के लोगों ने उन्हें अंदर जाने से रोका और उनके साथ धक्का-मुक्की की। इस धक्का-मुक्की में लोग गिर गए। राहुल गांधी ने आगे कहा कि ये लोग ऐसा करके संविधान पर आक्रमण कर रहे हैं और लगातार बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये लोग धमकी देने के साथ ही मुझे धक्का दे रहे थे, तब हम सभी सीढ़ियों पर खड़े हुए थे।

राहुल ने कहा कि यह सब कैमरे में कैद है, कि किस तरह से खड़गे जी के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। राहुल ने अंत में कहा कि इस तरह की धक्का-मुक्की से हम लोगों को कुछ नहीं होता है। भाजपा सांसद हमें संसद में जाने से रोक नहीं सकते हैं।

राहुल पर धक्का देने का आरोप

इस धक्का-मुक्की प्रसंग में भाजपा सांसद प्रताप चंद्र सारंगी का आरोप है कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया और वही सांसद उनके ऊपर गिर गया, जिससे उनके सिर में चोट आई है। इलाज के लिए सांसद सारंगी और मुकेश राजपूत को अस्पताल ले जाया गया। इस बीच भाजपा के अनेक नेता उन्हें देखने और हाल-चाल जानने अस्पताल पहुंचे।

याचिका दायर करने में देरी पर संपत्ति अधिकार से नहीं कर सकते वंचित

सुप्रीम कोर्ट ने अनियमितता से जुड़ी याचिका को 21 साल बाद स्वीकारा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर करने में देरी को लेकर कहा कि यह अहम फैक्टर है, लेकिन इसके आधार पर किसी शख्स को संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली बेंच ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में कथित अनियमितता से जुड़ी याचिका को 21 साल की देरी के बाद स्वीकार किया है। कोर्ट ने 13 दिसंबर को दिए फैसले में कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने लगातार यह माना है कि संपत्ति का अधिकार संविधान में निहित है। निष्पक्षता और मनमानी से बचने के लिए प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना चाहिए, विशेष रूप से राज्य की ओर से अधिग्रहण के मामलों में। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने में देरी को अहम माना है, लेकिन कहा कि संपत्ति के अधिकार की रक्षा के लिए इस देरी को हम माफ करते हैं। आर्टिकल 300ए में

निहित संपत्ति के अधिकार की रक्षा करने की जरुरत पर देरी को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती है। कानूनी कार्यवाही में संतुलन बनाना जरूरी है। व्यक्तिगत संपत्ति की रक्षा और उसे मान्य करने का अधिकार केवल देरी और निष्क्रियता के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता। शहरी सुधार ट्रस्ट की ओर से दायर चार अपीलों को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इन अपीलों में राजस्थान हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने राजस्थान शहरी सुधार अधिनियम के तहत भूमि मालिकों की जमीन के अधिग्रहण को रद्द कर दिया था। यह मामला दो अलग-अलग भूमि अधिग्रहण से संबंधित है। जमीन राजस्थान के अलवर के नांगली कोटा भूमि और मूंगस्का में स्थित हैं। इन जमीनों का अधिग्रहण किया गया था। दोनों अधिग्रहण प्रक्रियाओं को भूमि मालिकों ने 1998 में राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला आया था कि क्या भूमि अधिग्रहण के खिलाफ मालिकों की ओर से रिट याचिका दाखिल करने में देरी घातक थी? क्या आरयूआई अधिनियम के तहत जारी अधिसूचनाएं प्रक्रियागत त्रुटियों के बावजूद वैध थीं? क्या नांगली कोटा भूमि के मुआवजे का निर्धारण कानूनी रूप से किया गया था? क्या आरयूआई का पालन अधिग्रहण की वैधता के लिए अनिवार्य था?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दिया बयान

भारत को अक्सर अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ज्ञान दिया जाता हैं, अन्य देशों में अल्पसंख्यक कैसी स्थिति

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदाय किस स्थिति में हैं। हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि विश्व शांति की बात करके प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास हो रहा है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा, विश्व शांति के बारे में बड़े ऐलान हो रहे हैं। हम (भारत) को भी विश्व शांति के बारे में सलाह दी जाती है, लेकिन वहीं युद्ध रुक नहीं रहे हैं। जबकि हमें अक्सर अपने देश में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंता करने को कहा जाता है, हम देख रहे हैं कि बाहर अल्पसंख्यक किस प्रकार की स्थिति का सामना कर रहे हैं। हालांकि, संघ प्रमुख ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई संदर्भ नहीं दिया। लेकिन संघ ने शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के हिंदुओं की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की थी। भागवत ने कहा, मानव धर्म (मानवता) सभी धर्मों का शाश्वत धर्म है, जो विश्व धर्म भी है और इस हिंदू धर्म भी कहा जाता है। हालांकि, दुनिया ने इस धर्म को भुला दिया है। उनके पास वही धर्म है लेकिन उन्होंने इस भुला दिया और इसलिए आज हम विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जैसे पर्यावरण और अन्य मुद्दे है।

बीजेपी ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया

अमित शाह की टिप्पणी को लेकर केजरीवाल ने नीतीश-नायडू को लिखा पत्र

नई दिल्ली। राज्यसभा में बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस और विपक्षी दल इसे लेकर शाह और बीजेपी पर हमलावर हैं। इस बीच दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एनडीए के साथी दलों जेडीयू और टीडीपी के मुखिया नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखा है। केजरीवाल ने पत्र में दोनों नेताओं से कहा कि लोगों को लगता है कि बाबा साहेब को चाहने वाले बीजेपी का समर्थन नहीं कर सकते। आप भी इस पर विचार करें। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार को लिखे पत्र में केजरीवाल ने लिखा कि मैं आपको यह पत्र एक अत्यंत अहम विषय पर लिख रहा हूं, जो न केवल हमारे संविधान बल्कि बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिष्ठा से जुड़ा है। केजरीवाल ने लिखा हाल ही में संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब के नाम पर जो टिप्पणी की उसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उनका कहना है कि आंबेडकर...आंबेडकर बोलना आजकल फैशन बन गया है न केवल अपमानजनक है, बल्कि बीजेपी की बाबा साहेब और हमारे संविधान के प्रति सोच को उजागर करता है। केजरीवाल ने आगे लिखा कि बाबा साहेब आंबेडकर जिन्हें कोलंबिया ने डॉक्टर ऑफ लॉ से सम्मानित किया था, जिन्होंने भारत के संविधान को रचा और समाज के सबसे वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने का सपना देखा उनके बारे में ऐसा कहने का साहस आखिर बीजेपी ने कैसे किया? इससे देश के करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

देशभर के किसानों को एकत्र कर लड़ेंगे लड़ाई-टिकैत

फतेहपुर ।

भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नेता राकेश टिकैत ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए सरकार को किसानों का विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि देश में सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए रणनीति तैयार करती है। जबकि किसानों के हित के बारे में सरकार को बिल्कुल भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी गारंटी कानून लागू नहीं कर रही है, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से देश भर के किसान पिस रहे हैं। अगर सरकार द्वारा किसानों के हित में कदम नहीं उठाए गए तो देश भर के किसान एकत्रित होकर इसकी लड़ाई लड़ेंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

थ्जले के खागा कस्बे में स्थित गल्ला मंडी परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा किसान महापंचायत का आयोजन किया गया था। किसान महापंचायत में भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे। जहां भाकियू अध्यक्ष ने किसानों के हित में सरकार के प्रति जमकर हल्ला बोला। महापंचायत में पंजाब में चल रहे किसानों के आंदोलन को समर्थन दिया गया। मंच पर पहुंचते ही भाकियू अध्यक्ष राकेश टिकैत ने सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया। राकेश टिकैत ने किसानों से नस्ल और फसल दोनों बचाने की अपील की। कहां सरकार की नीतियां किसानों को खत्म करने पर आमादा है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार झूठ बोल रही है और उनका एजेंडा केवल हिंदू और मुस्लिम को बांटने का है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह के अंबेडकर वाले बयान पर भी हमला करते हुए कहा कि सरकार इतिहास को मिटाने और संविधान में संशोधन करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुरानी धरोहरों को नष्ट करने की साजिश कर रही है। अगर किसानों की हित में सरकार फैसला नहीं लेती तो देश भर के किसान एकत्रित होकर एक बड़े आंदोलन की ओर अग्रसर हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

पटना । पटना से बांद्रा जा रही पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे के नीचे अचानक आग लगी। घटना के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। दानापुर-दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) रेलखंड के पास यह हादसा हुआ। फायर ब्रिगेड और रेलवे की टीम ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रात करीब 1:02 बजे जब ट्रेन टुंडीगंज रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी वहां मौजूद रेलवे कर्मियों ने देखा कि ट्रेन के जनरल बोगी के निचले हिस्से से आग की लपटें उठ रही थीं। उन्होंने तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद ट्रेन को डुमरांव स्टेशन पर रोक गया। अग्निशमन अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आग एलएचबी कोच (जनरल बोगी) के पहिए और एक्सल के बीच लगी थी। यह आग ज्यादा फैलने से पहले ही बुझा दी गई।

भारत की सामाजिक संरचना के लिए घातक लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक साझात्कार में कहा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप और समलैंगिक विवाह समाज के नियमों के खिलाफ हैं। इतना ही नहीं इससे सामाजिक संरचना ध्वस्त होगी। एक साक्षात्कार के दौरान लिव-इन रिलेशनशिप पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने टिप्पणी की कि लिव-इन रिलेशनशिप गलत थे। गडकरी ने कहा कि मैं लंदन में ब्रिटिश संसद गया जहां मैं प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री से मिला और उन्होंने पूछा कि उनके देश में सबसे बड़ा मुद्दा क्या है। मैंने गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी आदि कहा। जब मैंने वही सवाल पूछा, तब उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों में सबसे बड़ा मुद्दा यह था कि बहुसंख्यक युवा आबादी की शादी नहीं हो रही थी। यह पूछने पर कि इसका किसी देश पर क्या प्रभाव पड़ता है, गडकरी ने कहा कि बच्चे कैसे पैदा होंगे, उनका भविष्य क्या होगा। यदि आप सामाजिक जीवनशैली को खत्म कर देते हैं, तब इसका लोगों पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ेगा? भारत को अधिक या कम बच्चों की जरूरत है, इस पर मंत्री ने कहा कि यह सवाल नहीं है। यह माता-पिता का कर्तव्य है कि वे बच्चे पैदा करें और उनका उचित पालन-पोषण करें। यदि आप किसी दिन कहते हैं कि आपने मनोरंजन के लिए बच्चे पैदा किए हैं और फिर बिना सोचे-समझे देखते रहें।

राहुल गांधी के धक्के से घायल सांसद मुकेश राजपूत से पीएम मोदी ने की बात

नई दिल्ली ।

शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में हुई धक्का-मुक्की में बीजेपी के 2 सांसद घायल हुए हैं। इसमें एक सांसद हैं प्रताप सारंगी, दूसरे मुकेश राजपूत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अस्पताल में भर्ती राजपूत से बात की है। वीडियो में दिख रहा हैं कि सांसद राजपूत चोटिल अवस्था में व्हील चेयर पर बैठे हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने के लिए वह फोन अपने हाथ में लेते हैं। इस बीच पीएम मोदी उनसे पूछते हैं कि अब उनकी तबीयत कैसी है। इस पर राजपूत कहते हैं कि उनकी तबीयत ठीक है, लेकिन अभी चक्कर सा आ रहा है। इस पर पीएम मोदी सांसद से कहते हैं कि पूरी केयर करना, जल्दबाजी बिल्कुल भी नहीं करना और पूरा ट्रीटमेंट लेना। दोनों की बातचीत का वीडियो भी सामने आ गया है। बता दें कि संसद परिसर में गुरुवार को प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस और बीजेपी सांसदों के बीच धक्का-मुक्की का मामला सामने आया।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से अब तक 8 मौतें, विशेषज्ञों की टीम की गठित

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक अज्ञात बीमारी से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। बुधवार को एक अस्पताल में रहस्यमय बीमारी से एक और बच्चे की मौत हो गई, जिसके बाद प्रभावित गांव में मौतों की जांच में सहायता के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है। अधिकारियों के मुताबिक जांच में तेजी लाने और बीमारी की पहचान करने के लिए राजौरी में एक बायोसेफ्टी लेवल 3 मोबाइल प्रयोगशाला भेजी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मोहम्मद रफीक के 12 साल के बेटे अशफाक अहमद की छह दिनों तक जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती रहने के बाद मौत हो गई। उसे पहले इलाज के लिए चंडीगढ़ रेफर किया गया था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। अशफाक के छोटे भाई-बहन 7 साल के इश्तियाक और 5 साल की नाजिया की पिछले गुरुवार को मौत हो गई थी। अशफाक की मौत के साथ ही कोटरंका तहसील के बदहाल गांव में मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। सभी मृतक एक ही गांव के दो परिवारों के थे। राजौरी के उपायुक्त ने बदहाल गांव में जमीनी हालात का आकलन करने के लिए सोमवार को कोटरंका का दौरा किया, जहां 14 साल से कम उम्र के छह बच्चों सहित सात लोगों की अज्ञात बीमारी के कारण मौत हो गई।

एके-47 बरामदगी मामले में एनआईए की टीमों ने बिहार में आधा दर्जन ठिकानों पर की छापेमारी

पटना।

मुजफ्फरपुर से एके-47 बरामदगी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की अलग-अलग टीमों ने बिहार राज्य के आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। सारण में एक, जबकि मुजफ्फरपुर और हाजीपुर में तीन-तीन ठिकानों पर एनआइए की टीमों ने छापा मारा।

इस दौरान मुजफ्फरपुर जिले में कुढ़नी के मुखिया और सारण जिले के परसा के मुख्य पार्षद के आवास से करीब 14 लाख नकद, हथियार, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद हुआ। एनआइए ने मनकौनी गांव में मुखिया नंदकिशोर राय उर्फ भोला राय के आवास से 11 लाख 19 हजार 500 रुपये, एक आइफोन और एक मोबाइल फोन जब्त किया। कुढ़नी के मुखिया कुछ महीनों पहले बरामद किए गए एके-47 जब्ती मामले के आरोपित देवमुनी उर्फ अनीश के पिता है। इस मामले में देवमुनी, विकास, सत्यम और पूर्वी चंपारण के अहमद अंसारी के साथ बेउर जेल में बंद है। छापेमारी के दौरान एनआइए की टीम ने मुखिया एवं उनकी पत्नी से काफी देर तक पूछताछ की। एनआइए अधिकारियों ने मुखिया को पूछताछ के लिए पटना भी तलब किया है।

वहीं सारण जिले के परसा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद एशा खातून के चेतना परसा गांव स्थित घर पर एनआइए ने चार बजे छापेमारी की। करीब 12 घंटे तक मुख्य पार्षद के नए और पुराने मकान की तलाशी ली गई। इस दौरान मुख्य पार्षद के घर से दो लाख 75 हजार 340 रुपये नकद, एक हथियार एवं अन्य कागजात जब्त किए। पुलिस सूत्रों के अनुसार जब्त हथियार लाइसेंसी है या गैर लाइसेंसी है, इसकी जांच की जा रही है।

वैशाली के हाजीपुर में एनआइए की टीम ने पटना हाई कोर्ट के वकील संदीप कुमार सिन्हा उर्फ छोटू लाला और कृष्णापुरी बागमली में सत्यम कुमार के घर पर छापेमारी की। वहीं, महुआ थाना क्षेत्र के गौसपुर चकमुजाहिद गांव के मुन्ना राय के यहां भी तलाशी ली गई। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी में एनआइए की टीम को कुछ खास बरामद नहीं हुआ है। एसपी हर किशोर राय ने एनआइए की छापेमारी की पुष्टि की है।

इस साल सात-आठ मई को मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन व फकुली थाने के ढोढ़ी पुल के निकट से एके-47, मैगजीन, पांच कारतूस व दूरबीन जब्त किया गया था। इसमें देवमुनी उर्फ अनीश, विकास कुमार, सत्यम कुमार व अहमद अंसारी को गिरफ्तार किया गया था। शुरू में इसकी जांच बिहार पुलिस कर रही थी, लेकिन अगस्त में इसकी जांच एनआइए ने संभाल ली। दिल्ली के एक कपड़ा व्यापारी की 2024 में एके-47 से हत्या कर दी गई। इस मामले को लेकर पटना से एनआइए की टीम राजेपुर थाना क्षेत्र के मधुआहा मठ टोला पहुंची।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समर्थ लोग निर्बल लोगों को स्नेह-सहयोग दें

आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है।

(लेखक - ललित गर्ग)

(अन्तर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस- 20 दिसम्बर 2024 पर विशेष)

लोगों के बीच एकजुटता के महत्व को बताने, गरीबी पर अंकुश लगाने, दुनिया भर में गरीबी उन्मूलन के लिए नए रास्तों की तलाश करने, विकासशील देशों में मानव और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने, शांति एवं सौहार्दपूर्ण जीवन को संभव बनाने, सरकारों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की याद दिलाने एवं पूरी दुनिया में, विशेष रूप से विकासशील देशों में सहयोग, शांति, सह-जीवन, समानता और सामाजिक न्याय की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विविधता में एकता दर्शाने, सतत विकास के लिए लोगों, सरकारों को प्रेरित करने, लोगों को गरीबी, भुखमरी, बीमारियों से बाहर निकालने के लिए इस दिवस का विशेष महत्व है। इसमें भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को मानव एकता की दृष्टि से एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के निर्माण ने विश्व के लोगों और राष्ट्रों को एक साथ शांति, मानवाधिकारों और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आकर्षित किया। संगठन की स्थापना अपने सदस्यों के बीच एकता और सद्भाव के मूल आधार पर की गई थी, जो सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा में व्यक्त की गई थी, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने सदस्यों की एकजुटता पर निर्भर करती है। अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस सतत विकास एवं समतामूलक विकास के एजेंडा पर आधारित है, जो अपने आप में गरीबी, भूख और बीमारी जैसे कई दुर्बल पहलुओं से लोगों को बाहर निकालने के लिए केंद्रित है। 'मिलेनियम डिक्लेरेशन' को ध्यान में रखते हुए, एकजुटता को 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक माना जाता है, जिसके तहत कम से कम लाभ उठाने वाले और सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करने वाले लोग उन लोगों की मदद के योग्य होते हैं जिन्हें सबसे अधिक लाभ मिलता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा भी है कि एक व्यक्ति तब तक जीना शुरू नहीं करता जब तक वह अपनी व्यक्तिगत चिंताओं के संकीर्ण दायरे से ऊपर उठकर समस्त मानवता की व्यापक चिंताओं तक नहीं पहुंच जाता।

आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है। महात्मा गांधी ने कहा है कि आपको मानवता में विश्वास खोना नहीं चाहिए। मानवता एक महासागर है। यदि महासागर की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो भी महासागर गंदा नहीं होता है।' ऐसे ही विश्वास को जागृत करने के लिये ही विश्व मानव एकता दिवस की आयोजना की गई है।

गरीबी का कारण हिंसा, आतंक, अप्रामाणिकता, संग्रह, स्वार्थ, शोषण और क्रूरता आदि हैं, इनके दंश मानवता को मूर्च्छित कर रहे हैं एवं मानव एकता की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। इस मूर्च्छा को तोड़ने के लिए अहिंसा, सह-जीवन, सौहार्द, शांति और सह-अस्तित्व का मूल्य बढ़ाना होगा तथा सहयोग एवं संवेदना की पृष्ठभूमि पर स्वस्थ समाज-संरचना की परिकल्पना को आकार देना होगा। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता मानव एकता का आधार तत्व है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा, तब तक वह उसके प्रति संवेदनशील नहीं बन पाएगा। जिस देश और संस्कृति में संवेदनशीलता का स्रोत सूख जाता है, वहाँ मानवीय रिश्तों में लिजलिजापन आने लगता है। अपने अंग-प्रत्यंग पर कहीं प्रहार होता है तो आत्मा आहत होती है। किंतु दूसरों के साथ ऐसी घटना घटित होने पर मन का एक कोना भी प्रभावित नहीं होता। यह संवेदनहीनता की निष्पत्ति है। इस संवेदनहीन मन की एक वजह सह-अस्तित्व का अभाव भी है। नेल्सन मंडेला ने कहा है कि हमारी मानवीय करुणा हमें एक दूसरे से जोड़ती है-दया या संरक्षण के भाव से नहीं, बल्कि ऐसे मानव के रूप में जिसने सीख लिया है कि कैसे अपने साझा दुख को भविष्य के लिए आशा में बदला जाए। आज हम इतने संवेदनशून्य हो गये हैं कि औरों का दुःख-दर्द, अभाव, पीड़ा, औरों की आहें हमें कहीं भी पिघलाती नहीं। देश और दुनिया में निर्दोष लोगों की हत्याएं, युद्ध की विभीषिकाएं, हिंसक वारदातें, आतंकी हमले, अपहरण, जिन्दा जला देने की रक्तरंजित सूचनाएं, महिलाओं के साथ व्यभिचार-बलात्कार की वारदातें पढ़ते-देखते हैं पर मन इतना आदती बन गया कि यूं लगता है कि यह सब तो रोजमर्रा का काम है। न आंखों में आंसू छलकते हैं, न पीड़ित मानवता के साथ सहानुभूति जुड़ती है। न सहयोग की भावना जागती है और न नृशंस क्रूरता पर खून खौलता हैं। हमें सिर्फ स्वयं को बचाने की चिन्ता है। तभी औरों का शोषण करते हुए नहीं सकुचाते। हमें संवेदना को जगाना होगा। तभी जे.के. राउलिंग ने कहा भी है कि हमें दुनिया को बदलने के लिये जादू की आवश्यकता नहीं है। हम बस मानव की सेवा करके ऐसा आसानी से कर सकते हैं।' इसी मानव-सेवा की मूल भावना मानव एकता दिवस का हार्द है। है। यह दिन वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में दुनिया भर के लोगों की एकता, सहयोग और साझा जिम्मेदारी के महत्व पर जोर देता है। इस दिन को मनाकर मानव को एकजुटता में रखकर एक साथ काम करने और सभी के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने का संदेश दिया जाता है।

सामाजिक मूल्य-परिवर्तन और मानदंडों की प्रस्थापना से लोकचेतना में परिष्कार हो सकता है। इस दृष्टि से विश्व मानव एकता दिवस की उपयोगिता बढ़-चढ़ कर सामने आ रही है। जब तक दुनिया अस्तित्व में है, अन्याय और अत्याचार होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन जो लोग सक्षम और समर्थ हैं, उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि वे लोग अपने से निर्बल लोगों को भी स्नेह दें। हर साल, आपदाओं एवं मानव-भूलों से लाखों लोगों विशेषतः दुनिया के सबसे गरीब, सबसे हाशिए पर आ गये लोग और कमजोर व्यक्तियों को अपार दुःख का सामना करना पड़ता है। मानवतावादी सहायताकर्मी इन आपदा प्रभावित समुदायों एवं लोगों को राष्ट्रीयता, सामाजिक समूह, धर्म, लिंग, जाति या किसी अन्य कारक के आधार पर भेदभाव के बिना जीवन बचाने में सहायता और दीर्घकालिक पुनर्वास प्रदान करने का प्रयास करते हैं। वे सभी संस्कृतियों, विचारधाराओं और पृष्ठभूमि को प्रतिबिंबित करते हैं और मानवतावाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से वे एकजुट हो जाते हैं। इस तरह की मानवतावादी सहायता मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता और स्वतंत्रता सहित कई संस्थापक सिद्धांतों पर आधारित है। आज अनुभव किया जा रहा है कि देश एवं दुनिया विकृतियों की शूली पर चढ़ा है। नैतिक मूल्यों के आधार पर ही मनुष्य उच्चता का अनुभव कर सकता है और मानवीय प्रकाश पा सकता है। मानव एकता का प्रकाश सार्वकालिक, सार्वदेशिक, और सार्वजनिक है। इस प्रकाश का जितनी व्यापकता से विस्तार होगा, मानव समाज का उतना ही भला होगा। इसके लिए तात्कालिक और बहुकालिक योजनाओं का निर्माण कर उनकी क्रियान्विति से प्रतिबद्ध रहना जरूरी है। यही विश्व मानव एकता दिवस मनाने को सार्थक बना सकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

दानव नहीं नशेबाज़

बीते सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में संवेदनशील व्यवहार व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस मुहिम से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि नशे की लत के शिकारों का दानवीकरण करने के बजाय उनके उपचार व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाया जाए। यह हकीकत है कि हाल ही के वर्षों में विभिन्न घातक नशीले पदार्थों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन ऐसे लोगों के प्रति समाज में दुराग्रहपूर्ण नकारात्मकता होती है। समाज को ऐसे लोगों की पहचान संवेदनशील ढंग से करके, उन्हें इस लत से बचाने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रयास करने चाहिए। निस्संदेह, कठोर व्यवहार करने से यह समस्या और जटिल हो जाती है। चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में नशे की दलदल के विस्तार की खबरें आ रही हैं। लेकिन उस अनुपात में सरकारों की तरफ से इस चुनौती के मुकाबले युद्धस्तर पर पहल होती नजर नहीं आ रही है। वहीं समाज की उदासीनता भी चिंता बढ़ाने वाली है। निस्संदेह, हमें नशे करने वालों को खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय, समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के कठोर व तिरस्कारपूर्ण व्यवहार के चलते नशे के शिकार लोग और गहरी दलदल में उतरते चले जाते हैं। यदि हम इन युवाओं में नशे की दलदल से निकलने इच्छाशक्ति पैदा करें तो नशे के खिलाफ हमारी जंग कामयाब हो सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उनके प्रति नकारात्मक धारणा व उपेक्षा से उपजे मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से व्यक्ति गहरे नशे की ओर उन्मुख हो जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हमने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है तो उसे पाने के लिये कारगर रणनीति अपनाने की भी जरूरत है। विशेषकर सामाजिक स्तर पर व्यापक व्यावहारिक पहल, जो जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव का वाहक बन सके। यह तार्किक है कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ को कहना पड़ा कि नशे की लत के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखना गलत है। निश्चित रूप से विभिन्न हितधारकों मसलन केंद्र व राज्य सरकारों, नागरिक समाजों, परिवारों व शैक्षणिक संस्थानों को संकट से निपटने के लिये खुलकर की जाने वाली चर्चाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसके विपरीत यदि हम उन्हें अपराधियों की तरह देखते रहे तो उन्हें हम पतन के गर्त की ओर उन्मुख कर देंगे। हम स्वीकार करें कि देश के युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। उन्हें करुणा और संवेदनशीलता की दृष्टि से देखे जाने की जरूरत है ताकि उन्हें अपनी स्थिति पर आत्ममंथन का मौका मिल सके। दरअसल, नशे के शिकार ये लोग इस नशे की नदी की छोटी मछलियां हैं। बड़ी मछलियां तो नशीली दवाओं के व्यापारी और तस्कर हैं। जो एक फलते-फूलते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। जो कानून व पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिये धनबल से तमाम तरीके इजाद कर लेते हैं। इसे पंजाब के हालात के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के चक्रव्यूह में फंस रहा है। साल की शुरुआत में अत्यधिक नशे की डोज से मरने की घटनाओं से पंजाब हिल गया था। जरूरी है कि नशे के खिलाफ लड़ाई में युवाओं की माताओं व बहनों को शामिल किया जाए। परिवार का भावनात्मक संबल कई युवाओं को नशे की अंधी गलियों से बाहर निकालने में सहायक होगा। लेकिन नशे के खिलाफ अभियान चलाने के बड़े-बड़े दावे करने वाले तंत्र को बरनाला में नशे के खिलाफ बुलंद आवाज उठाने वाले एक सरपंच की हत्या पर आत्ममंथन करना चाहिए।

मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ होगा नक्सल मुक्त, एक जमीनी सच्चाई या राजनीतिक बयान?

(लेखक- सत्य प्रकाश दुबे)

छत्तीसगढ़, जो दशकों से नक्सलवाद की समस्या का सामना कर रहा है, अब 2026 तक इसे समाप्त करने के राजनीतिक दावे का केंद्र बन गया है। भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के अनुसार, नक्सलवाद पर काबू पाने के लिए समाधान योजना और सुरक्षा बलों की तैनाती ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। लेकिन क्या यह वाकई जमीनी स्तर पर उतना प्रभावी रहा है जितना प्रचारित किया जा रहा है?

नक्सलवाद पर भाजपा का दावा- हकीकत या राजनीतिक एजेंडा?

भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की संख्या और अभियानों में वृद्धि को अपनी प्रमुख उपलब्धि बताया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बयान, हमने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा को 70त्न तक कम किया है, प्रशंसा के योग्य है। लेकिन यह दावा उन आदिवासी और नक्सल प्रभावित इलाकों के जमीनी हालात पर सवाल खड़ा करता है, जहां अब भी विकास और बुनियादी सुविधाओं की कमी महसूस की जाती है।

1. विकास कार्यों में धीमी प्रगति-

भाजपा सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बड़े दावे किए, लेकिन इन योजनाओं का कार्यान्वयन धीमा रहा। इन क्षेत्रों में अब भी बड़ी आबादी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है।

2. नक्सलियों के खिलाफ सख्ती और आम जनता पर असर-

भाजपा के तहत सुरक्षा बलों ने कई अभियानों को अंजाम दिया, लेकिन इसके चलते स्थानीय आदिवासी समुदायों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मामलों में निर्दोष नागरिकों को नक्सली समझकर गिरफ्तार किया गया, जिससे सरकार और जनता के बीच अविश्वास बढ़ा।

3. आत्मसमर्पण नीति की सीमाएं-

आत्मसमर्पण नीति को भाजपा सरकार ने अपनी बड़ी उपलब्धि बताया है, लेकिन इसके दायरे में आने वाले अधिकतर नक्सली स्थानीय स्तर के कार्यकर्ता हैं। शीर्ष नेतृत्व अब भी सक्रिय है और सरकार के प्रयासों को चुनौती दे रहा है।

4. राजनीतिक लाभ का प्रयास-

भाजपा द्वारा नक्सलवाद के खात्मे का दावा 2024 के लोकसभा चुनाव और आगामी विधानसभा चुनावों के एजेंडे के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा नक्सलवाद के खात्मे को अपनी सरकार की बड़ी सफलता के रूप में पेश कर चुनावी लाभ लेना चाहती है।

कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस, जो छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ है, ने भाजपा के इन दावों को खारिज करते हुए कहा है कि नक्सलवाद पर नियंत्रण उनकी जनहितैषी नीतियों का परिणाम है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, हमने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जनता का विश्वास जीता और विकास कार्यों को प्राथमिकता दी। भाजपा केवल दावे करती है, जबकि वास्तविकता इससे अलग है।

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने राज्य को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त आर्थिक सहायता नहीं दी, जिससे कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं।

चुनौतियों की अनदेखी

भाजपा सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए जो दावे किए हैं, वे भविष्य में ठोस कार्यान्वयन पर निर्भर करते हैं। लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अभी भी बड़ी संख्या में स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र अनुपलब्ध हैं। बेरोजगारी और विस्थापन की समस्या आदिवासी समुदायों को नक्सलियों के प्रति सहानुभूति रखने पर मजबूर कर रही है। पुलिस और सुरक्षा बलों के अभियानों के दौरान मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप भी चिंता का विषय हैं। मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने का दावा भाजपा सरकार का एक राजनीतिक एजेंडा अधिक लगता है, जिसे जमीनी सच्चाई और स्थानीय जनता की वास्तविक समस्याओं से मेल खाने के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है। नक्सलवाद जैसी गंभीर समस्या को केवल सुरक्षा अभियानों के जरिए हल नहीं किया जा सकता, बल्कि यह तब खत्म होगा जब विकास, शिक्षा और रोजगार के माध्यम से आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाया जाएगा। अगर भाजपा सरकार अपने दावों में गंभीर है, तो उसे इन मुद्दों पर ध्यान देना होगा, अन्यथा यह केवल एक चुनावी नारा बनकर रह जाएगा।

(चिंतन-मनन)

ईमानदारी सर्वोत्तम

एक राजा ने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए राज्य के सभी नौजवानों को एक-एक बीज दिया और कहा, इसे गमले में लगाकर सींचना और एक वर्ष के पश्चात मेरे पास लेकर आना। जिसका पौधा सबसे अच्छा होगा, उसे राजा घोषित किया जाएगा। सब बीज लेकर खुशी-खुशी लौटे। पांच-छह दिन गुजर जाने पर भी जब बीज अंकुरित नहीं हुआ, तो सबने उसी प्रकार का बीज नर्सरी से खरीदकर अपने-अपने गमले में लगा दिया और सींचने लगे। इन सबमें केवल भोलू नाम का नौजवान ही ऐसा था, जिसने दूसरा बीज खरीदने का दुस्साहस नहीं किया। कुछ दिनों के पश्चात सभी युवा अपने-अपने हरे-भरे गमले के साथ राजा के सम्मुख पेश हुए, केवल भोलू ही खाली गमले के साथ कोने में नजरें चुराए खड़ा था। राजा ने उसे पास बुलाया और घोषणा कर दी कि भोलू ही मेरा उत्तराधिकारी है।

जब जनता ने उसके खाली गमले को प्रश्नवाचक नजरों से देखा, तो राजा ने सभी के समक्ष यह भेद खोला कि मैंने उबले हुए बीज सभी को दिए थे। भोलू ने उसी उबले बीज को सींचा, जबकि शेष सभी ने राजा बनने के लिए बीज बदल लिए। ये बड़े-बड़े पौधे बेईमानी की कहानी कह रहे हैं। सत्य तो यही है कि बीज तो अंकुरित होना ही नहीं था, बावजूद इसके भोलू हिम्मत व ईमानदारी से अपना खाली गमला ही मेरे पास लेकर आया। इसलिए अगला राजा भोलू ही होगा। यदि हम बुद्धि रूपी जमीन पर ईमानदारी का बीजारोपण कर उसे सींचेंगे, तो निसंदेह उस पर विश्वास रूपी मीठे फल निकलेंगे।

विचार मंथन

बोलने से नहीं, आत्मनिर्भर होने से भारत बनेगा विश्व गुरु

(लेखक- सनत जैन)

वर्तमान सत्तारुण दल भारत को अक्सर विश्व गुरु कहकर संबोधित करता है। वास्तविकता ठीक इसके विपरीत है। किसी भी देश को विश्व गुरु बनने की प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने के लिए विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान पर आत्मनिर्भर होना आवश्यक होता है। चीन और भारत की तुलना में, चीन हर क्षेत्र में भारत से बहुत तेजी के साथ आगे निकल गया है। शिक्षा, अनुसंधान, नवीन तकनीकों के विकास से चीन तीन दशक के अंदर सारी दुनिया के देशों को पछाड़कर महाशक्ति बन गया है। चीन आर्थिक निवेश, निर्यात व्यापार और तकनीकी ज्ञान से दुनिया के देशों में सुपर पावर बना है। सारी दुनिया के देशों में चीन के बिना सब सून की स्थिति बन गई है। दुनिया के सभी देशों में चीन के सस्ते माल का कोई विकल्प नहीं है। चीन हर देश के लिए अलग-अलग तरीके से समान बनाता है। भारत की होली, दिवाली, 15 अगस्त, 26 जनवरी, शादी-विवाह, बच्चों के खेल, खिलौने से लेकर हर चीज चीन में तैयार होती है। भारत के देवी-देवता और भगवान की मूर्तियां भी चीन में तैयार हो रही हैं। भारत में जो विकास कार्य चल रहे हैं उसमें चीन की मशीने लगी हुई हैं। चीन अपनी जीडीपी का 2। 4फीसदी शोध और विकास कार्यों पर खर्च करता है। जबकि भारत मात्र 0.7फीसदी खर्च करता है। चीन में 550 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष शोध पर खर्च कर रहा है। भारत में यह आंकड़ा मात्र 2 बिलियन डॉलर का है। इतना ही नहीं, दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटीज़ में चीन का 13 वां स्थान है। जबकि भारत का कोई भी विश्वविद्यालय इस 100 की सूची में शामिल नहीं है। भारत ने अपनी शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट घटा दिया है।

तकनीक के क्षेत्र में चीन का प्रभुत्व सारी दुनिया के देश मान रहे है। बहुमूल्य माईनिंग उत्पाद के उपकरण, ईवी बैटरी, सेमीकंडक्टर चिप्स, और सोलर एनर्जी जैसे क्षेत्रों में चीन का दबदबा सारी दुनिया में बना हुआ है। वहीं, भारत की इन क्षेत्रों में कोई उपलब्धि नहीं है। भारत का खनिज कच्चा माल चीन जाता हैं और वहां से उत्पाद बनकर भारत में आता है। भारत आयात के ऊपर निर्भर है। भारत के पास विकास शोध और शिक्षा को लेकर कोई ठोस योजना नहीं है। चीन के उत्पाद वैश्विक बाजारों पर इस कदर छाए हुए हैं। सारी दुनिया के देशों में चीन के उत्पाद का कोई विकल्प नहीं है। चीन दुनिया के देशों के लिए कम कीमत में विविध उत्पाद उपलब्ध कराने वाला सबसे बड़ा बाजार बन गया है। जबकि भारत के मेड इन इंडिया उत्पाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम ही दिखते हैं। भारत का आयात, निर्यात की तुलना में ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। भारत की अर्थव्यवस्था में आयात-निर्यात व्यापार में भारत काफी घाटे में है। भारत में शिक्षा और शोध को लेकर सरकार और समाज दोनों की प्राथमिकताएं चिंताजनक हैं। पिछले 10 वर्षों से शिक्षा और शोध का बजट केंद्र सरकार घटाती चली जा रही है। भारत के छात्र विदेशों में पढ़ने के लिए जा रहे हैं। शिक्षा और शोध के मामले में भारत शून्य पर पहुंच गया है। जिसके कारण चीन की तुलना में भारत बहुत पीछे हो गया है। वैसे जहां तक विश्व गुरु की बात हे तो भारत अपने दर्शन को लेकर शुरु से ही दुनिया के देशों का नेतृत्व करता रहा है। अब जरुर भारत मंदिर-मस्जिद और धार्मिक बहसों में पिछले तीन दशक से उलझा हुआ है। पिछले 10 वर्षों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने से भारत बहुत दूर हो गया है। चीन का मीडिया तकनीक और इनोवेशन पर चर्चा करता है। वहीं भारतीय मीडिया धार्मिक मुद्दों में उलझा रहता है। भारतीय मेन स्ट्रीम का मीडिया सरकार का भोंपू बनकर रह गया है। भारतीय मीडिया को अब सुपारी मीडिया या गोदी मीडिया के नाम से भी भारत और दुनिया के देशों में जाना जाता है। भारत को सच में विश्व गुरु बनना है, तो शिक्षा, शोध, और तकनीकी विकास में भारी निवेश करना होगा। नई पीढ़ी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रौद्योगिकी में दक्षता प्रदान करने वाले संस्थान खोलने होंगे। जो संस्थान है उनकी गुणवत्ता पर ध्यान रखना होगा। इसके लिए केवल बजट का आवंटन नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और समय के अनुसार बदलाव और व्यावसायिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। भारत को डिमांड और सप्लाई की नीति पर काम करना होगा। यही बाजारबाद का सिद्धांत है। कम्युनिस्ट देश चीन ने इसको समझा है। अपनी आबादी का सही उपयोग उसने समय रहते हुए किया।

कम कीमत में सारी दुनिया की जरूरत के समान को उपलब्ध कराने का काम किया। चीन का मीडिया और राजनीति में धर्म का कोई लेना-देना नहीं है। धर्म निजी आस्था और विश्वास का प्रतीक है। चीन ने शिक्षा, शोध, और तकनीकी प्रगति को प्राथमिकता दी है। तभी चीन एक महाशक्ति के रूप में दुनिया के देशों के सामने खड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोदरेज प्रोफेशनल ने शरवरी को ब्रांड एंबेसडर बनाया

मुंबई । गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का प्रमुख प्रोफेशनल हेयर ब्रांड, ने बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री शरवरी को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। शरवरी, जो मुंज्या, महाराज और वेद जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं, अपने फैशन-फॉरवर्ड व्यक्तित्व और आत्मविश्वास के साथ ब्रांड की प्रतिबद्धता को बखूबी दिखाती हैं। इस गठजोड़ पर टिप्पणी कर गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के अधिकारी ने कहा कि शरवरी के पास लाखों लोग हैं, जो उनकी स्टाइल और ग्रेस को पसंद करते हैं, और उनका गोदरेज प्रोफेशनल के साथ जुड़ाव एक महत्वपूर्ण विकास है, खासकर जब ब्रांड हेयर और ब्यूटी इंडस्ट्री में अपना विस्तार कर रहा है। इस नई साझेदारी पर शरवरी ने कहा, गोदरेज प्रोफेशनल के लिए पहला ब्रांड एंबेसडर बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। शरवरी ने 2025 के ट्रेंडिंग हेयर कलर और स्टाइलिंग लुक को पेश करते हुए शोस्टॉपर के रूप में कार्यक्रम में अपनी छाप छोड़ी।

गोल्ड लोन मे रिकॉर्ड 56 फ़ीसदी की वृद्धि

मुंबई । देश में सोने पर लोन लेने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती चली जा रही है। पिछले 1 वर्ष में गोल्ड लोन मैं 56 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। होम लोन में 18 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है।बाकी सभी सेक्टर में लोन लेने वालों की संख्या घटी है।केवल गोल्ड में कर्ज लेने वालों संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। प्रमुख 9 कैटेगरी में लोन के सबसे अधिक 56 फ़ीसदी की तेजी गोल्ड लोन में देखी गई है। इसके बाद 18 फ़ीसदी की वृद्धि हाउसिंग लोन में है।जो दूसरे नंबर पर है। पर्सनल लोन लेने वालों की संख्या 11 फ़ीसदी बढ़ी है। पिछले वर्ष 23 फ़ीसदी थी, जो अब घटकर 11 फ़ीसदी रह गई है। देश में जिस तरह से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है।उसके बाद देश में लोन लेने का ट्रेंड भी तेजी के साथ बदल रहा है। भारत में 9 कैटेगरी में रिटेल लोन 47.8 फ़ीसदी,पर्सनल लोन 26.7 फ़ीसदी, व्हीकल लोन 11.7 फ़ीसदी, क्रेडिट कार्ड पर लोन 5.03 फीसदी, गोल्ड पर 2.9 फ़ीसदी,एजुकेशन लोन 2.5 फ़ीसदी,एफड़ी पर 2.4 फ़ीसदी लोन वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिया गया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा की कीमत में बढ़ोतरी

नई दिल्ली । एथर एनर्जी कंपनी ने अपने पॉपुलर फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा की कीमत बढाने की घोषणा की है। एथर एनर्जी ने जानकारी दी है कि 1 जनवरी 2025 से इस स्कूटर की कीमत में 4,000 से 6,000 रुपये तक का इजाफा किया जाएगा। फिलहाल भारतीय बाजार में एथर रिज्टा की कीमत 1.10 लाख रुपये से 1.47 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है। एथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर को भारतीय बाजार में तीन वेरिएंट्स और सात कलर ऑप्शन के साथ लॉन्च किया गया है। यह स्कूटर अपने सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब और ओला एस1 एयर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों को कड़ी टक्कर देता है। एथर रिज्टा की सबसे बड़ी खासियत इसका 56 लीटर का विशाल स्टोरेज स्पेस है, जो इसे भारत का पहला ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाता है जिसमें इतना बड़ा स्टोरेज स्पेस दिया गया है। इसमें सीट के नीचे 34 लीटर का बूट स्पेस और फ्रंट एप्रॉन पर 22 लीटर का फ्रंक शामिल है। एथर रिज्टा में 4.3 किलोवॉट मोटर दी गई है, जो एथर 450एक्स में भी इस्तेमाल की जाती है। स्कूटर में दो बैटरी पैक विकल्प दिए गए हैं - 2.9केडब्ल्यूएच और 3.7केडब्ल्यूएच, जो क्रमशः 123 किमी और 160 किमी की रेंज देते हैं। चार्जिंग टाइम की बात करें तो 2.9केडब्ल्यूएच बैटरी को फुल चार्ज होने में 6 घंटे 40 मिनट और 3.7केडब्ल्यूएच बैटरी को 4 घंटे 30 मिनट का समय लगता है।

भारत में वोडाफोन आइडिया ने शुरु की 5जी सेवाएं

नई दिल्ली । भारत में वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने अपनी 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। शुरुआती चरण में कंपनी ने17 सर्किलों में 5जी नेटवर्क लॉन्च किया है। इनमें बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली जैसे बड़े शहर शामिल हैं। वीआई कंपनी ने कहा है कि जल्द ही अन्य शहरों में भी 5जी सेवाएं शुरू की जाएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीआई ने 3.3जीएचझेड और 26जीएचझेड स्पेक्ट्रम का उपयोग करके 5जी नेटवर्क स्थापित किया है। 5जी सेवाओं का फायदा प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों यूजर्स उठा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए यूजर्स को अपने स्मार्टफोन में 5जी नेटवर्क को एनेबल करना होगा। कीमत की बात करें तो प्रीपेड ग्राहकों को 5जी कनेक्टिविटी के लिए 475 रुपये के रिचार्ज पैक की जरूरत होगी। वहीं, पोस्टपेड यूजर्स के लिए रेडएक्स 1101 प्लान पेश किया गया है, जिसमें 5जी सेवाएं उपलब्ध होंगी। वोडाफोन आइडिया का यह कदम भारत के बढ़ते 5जी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। जल्द ही अन्य शहरों में भी नेटवर्क विस्तार की उम्मीद है। बता दें कि वीआई के सीईओ ने जनवरी 2024 में घोषणा की थी कि 5जी रोलआउट छह से सात महीनों के भीतर शुरू किया जाएगा। हालांकि एयरटेल और रिलायंस जियो की तुलना में वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों को 5जी सेवाओं के लिए थोड़ा अधिक इंतजार करना पड़ा है। वोडाफोन आइडिया फिलहाल 17 लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्रों (एलएसए) में 5जी कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है।

देश में ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार दो प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा

मुंबई । भारत में मधूमेह के बढ़ते मामलों के बीच आई एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार 2024-33 के दौरान दो प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में डायबिटीज के बढ़ते मामलों के साथ-साथ विश्वसनीय मॉनिटरिंग टूल्स तक सीमित पहुंच, एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती पेश करती है। 2024 में, भारत का ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार एशिया-प्रशांत बाजार का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्थानीय जरूरतों के अनुरूप किफायती और इनोवेटिव सॉल्यूशन पर बढ़ते फोकस को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत में ग्लूकोज मॉनिटरिंग सॉल्यूशन की बढ़ती उपलब्धता के बाद भी अफोर्डिबिलिटी, यूजर एजुकेशन और एक्सेसेबिलिटी को लेकर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ा अंतर बना हुआ है। लोकल स्तर पर मैन्युफैक्चर किए गए डिवाइस इस अंतर को खत्म कर सकते हैं। भारत में डायबिटीज का बोझ केयर डिलीवरी में अंतर को खत्म करने और डायबिटीज मैनेजमेंट को लगातार प्रमोट करने की तत्काल जरूरत को दिखाता है। हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाना और कम्युनिटी लेवल पर बढ़ती जागरूकता डायबिटीज मैनेजमेंट के तरीके को बेहतर बना सकते हैं और देश भर में दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में ग्लूकोज मॉनिटरिंग डिवाइस का बाजार 2024 में 366.53 मिलियन डॉलर का था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्वानुमान अवधि में 2030 तक 7.08 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ प्रभावशाली वृद्धि का अनुमान है।

रुपया गिरावट के साथ खुला , 85 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 85 के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी फेडरन रिजर्व (फेड) फेड के अगले साल ब्याज दरों में कटौती की रफ्तार धीमी रखने के संकेतों से रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 18 पैसे गिरकर 85.12 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेड के फैसले के बाद डॉलर में जोरदार तेजी आई और डॉलर इंडेक्स 108 के स्तर को पार कर गया। भारतीय मुद्रा के अलावा अन्य विदेशी मुद्राओं में भी इसका असर देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 85.06 रुपये पर खुला। घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख, आयातकों की ओर से डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं गत कारोबारी दिन भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 84.94 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों ने कहा, डॉलर इंडेक्स का 108 से ऊपर जाना और 10 साल के बॉन्ड यील्ड का 4.52 प्रतिशत पर पहुंचना एफआईआई कोष प्रवाह के दृष्टिकोण से नकारात्मक है। लेकिन यह केवल अस्थायी होने की संभावना है।

फैड के फैसले के बाद शेयर बाजार टूटा

सेंसेक्स 964 , निफ्टी 247 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट पर बंद हुए। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फैड) के ब्याज दरों में कटौती को लेकर आये फैसले से आई है। जिससे बाजार में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को 1.20 अंक तकरीबन 964.15 अंक नीचे आकर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.02 फीसदी करीब 247.15 अंक नीचे आकर 23,951.70 पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व नेलगातार तीसरी बार ब्याज दर में 25 बेसिस अकों) की कटौती की है। अब ब्याज दर 4.25 फीसदी से 4.5 फीसदी के बीच है। फेड ने हालांकि संकेत दिया है कि आगे ब्याज दरों में कटौती धीमी हो सकती है, जिससे निवेशक सतर्क हो गए हैं। फेड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में केवल दो और बार कटौती की संभावना है, जबकि सितंबर में चार कटौती की उम्मीद जताई गई। एशिया-पैसिफिक के शेयर बाजार में भी गुरुवार को गिरावट दर्ज की गयी। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट पर भारी बिकवाली के बाद आई। इस बीच, जापान मुख्य केन्द्र रहा, जहां बैंक ऑफ जापान ने अपनी दो-दिवसीय पॉलिसी बैठक समाप्त खत्म की और ब्याज दर 0.25 फीसदी पर बनाए रखने का फैसला किया। फेड के ब्याज दरों में कटौती के फैसले के बाद भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट आई है। फेडरल रिजर्व ने 2024 में तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती की है। फेडरल रिजर्व की कटौती के इस फैसले से वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता की लहर पैदा कर दी है। इससे डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर पहुंच गया है।

जिससे भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं। दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भारी गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। विदेशी निवेशकों के घरेलू शेयर बाजारों से पैसा निकालने की वजह से भी स्टॉक मार्केट में गिरावट आई है।

इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट रही। इसी कारण सेंसेक्स करीब 1,000 अंक की गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 921.28 अंक करीब 1.15 फीसदी गिरावट के साथ 79,260.92 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 282.35 अंक तकरीबन 1.17 फीसदी नीचे आकर 23,916.50 अंक पर खुला।

निवेशकों को 5.94 लाख करोड़ का घाटा

इस गिरावट के बीच ही बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर 5.94 लाख करोड़ रुपये से घटकर 446.66 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई और एचसीएल टेक के शेयर नीचे आये इसके अलावा एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही। अमेरिका में रेट से जुड़ी आईटी कंपनियों के शेयर 5 फीसदी नीचे आये। एलटीआईमाइंड्री, एमफेसिस और विप्रो के शेयरों में भी भारी गिरावट रही। इस बीच शेयर बाजार में उतारचढ़ाव के बीच ही इंडिया वीआई एक्स इंडेक्स 5 फीसदी उछलकर 14.37 पर पहुंच गया।

गौरतब है कि फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कमी की है।

विदेशों से पैसा भेजने वालों में भारत दुनिया में नंबर वन पर

2024 में 10.7 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे

नई दिल्ली।

विदेश से अपने देश पैसे भेजने वालों में भारतीय दुनियाभर में अव्वल हैं लगातार तीसरे साल भी यह सिलसिला बरकरार है। भारतीयों ने 2024 में 129 बिलियन डॉलर यानी करीब 10.7 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे हैं। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.95 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे गए थे। विश्व बैंक की एक ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक रेमिटेंस पाने में भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और पाकिस्तान का नंबर आता है। रेमिटेंस विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक जरिया है। भारत में खाड़ी देशों के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों से रेमिटेंस आता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल रेमिटेंस की वृद्धि दर 5.8 फीसदी रही, जो 2023 के मुकाबले 1.2 फीसदी ज्यादा है। महामारी के बाद आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य देशों में नौकरी बाजार की रिकवरी को इस वृद्धि का मुख्य कारण बताया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया कि पिछले दशक में रेमिटेंस में 57 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 41 फीसदी की गिरावट आई है। विश्व बैंक ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 685 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा कि प्रेषण अन्य बाहरी वित्तीय प्रवाहों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है और इसमें भविष्य में और बढ़ोतरी की संभावना है। दक्षिण एशिया में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 11.8 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। इस क्षेत्र में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश

प्रमुख योगदानकर्ता रहे। बता दें 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 111.22 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.28 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे थे। इस कारण भारत 100 बिलियन डॉलर यानी 8.34 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला पहला देश बन गया था। विशे व बैंक विशेषज्ञों का कहना है कि रेमिटेंस का इस्ते माल गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और शिक्षा के वित्तपोषण, और परिवारों की वित्तीय समावेशन में किया जाना चाहिए।

सोने और चांदी की कीमतें गिरीं

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों के नीचे आने से घरेलू बाजारों में भी गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने की कीमतें 0.93 फीसदी नीचे आकर 75,938 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 2.50 फीसदी फिसलकर 88,116 रुपए प्रति किलोग्राम रही गयीं। गत बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपए टूटकर 79,100 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। पिछले सत्र में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 79,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। तीन दिन की गिरावट के बाद बुधवार को चांदी 500 रुपए उछलकर 92,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं मंगलवार को यह 91,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। पिछले तीन सत्रों में चांदी 5,500 रुपए प्रति किलोग्राम गिरी है।

सेबी ने छोटी, मझोली कंपनियों के लिए आईपीओ नियमों को सख्त करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने छोटी एवं मझोली कंपनियों (एसएमई) के शुरुआती सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से संबंधित प्रक्रिया को सशक्त करने के लिए एक सख्त नियामकीय रूपरेखा को मंजूरी दी है। इसके अलावा, सेबी ने बिक्री पेशकश (ओएफएस) को सीमित करने का भी फैसला लिया है और प्रवर्तकों के लिए चरणबद्ध 'लॉक-इन' पेश किया है। सेबी के निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बयान के मुताबिक सेबी के निदेशक मंडल ने डिबेंचर ट्रस्टी, ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं, इनविट्स, रीट्स और एसएम रीट्स के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों को भी मंजूरी दे दी। इसके अलावा अनुमोदित सुधारों का उद्देश्य एसएमई को एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड प्रदान करना और निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए जनता से धन जुटाने का अवसर प्रदान करना है। इस संबंध में बोर्ड ने सेबी (आईसीडीआर) विनियम, 2018 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 में संशोधन को भी स्वीकृति दे दी है। यह कदम एसएमई के निर्गम बढ़ने के बाद उठाया गया है, जिसने महत्वपूर्ण निवेशक भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। लाभप्रदता मानदंड के संबंध में एसएमई इकाइयों की तरफ से लाए जाने वाले आईपीओ के संबंध में सेबी ने कहा कि निर्गम लाने की योजना बनाने वाली छोटी एवं मझोली कंपनियों को अपना मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करते समय पिछले तीन में से दो वित्त सालों में कम से कम एक करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दिखाना होगा। एसएमई आईपीओ में शेयरधारकों द्वारा बिक्री के लिए ओएफएस की सीमा कुल निर्गम आकार के 20 फीसदी तक सीमित कर दी है। इसके अलावा विक्रय करने वाले शेयरधारक अपनी मौजूदा हिस्सेदारी का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा नहीं बेच सकेंगे। इसके अलावा, एमपीसी से ज्यादा प्रवर्तकों की शेयरधारिता चरणबद्ध 'लॉक-इन' अवधि के अधीन होगी। अतिरिक्त हिस्सेदारी का आधा हिस्सा एक साल के बाद जारी किया जाएगा, जबकि शेष 50 फीसदी दो सालों बाद जारी की जाएगी। एसएमई आईपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए आवंटन पद्धति को मुख्य बोर्ड आईपीओ में अपनाई गई पद्धति के अनुरूप बनाया जाएगा ताकि एकरूपता तय की जा सके।

सेबी ने कीमतों को नियंत्रित करने लिया फैसला, 'डेरिवेटिव' कारोबार लगी रोक बढ़ाई

नई दिल्ली।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने अहम फैसले लिए। इनमें आईपीओ, म्यूचुअल फंड और डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर लिए फैसले शामिल हैं। सेबी ने कीमतों को नियंत्रित करने गेहूं और मूंग समेत सात कृषि उत्पादों में 'डेरिवेटिव' कारोबार पर रोक को जनवरी 2025 तक बढ़ा दिया है। सेबी ने धान (गैर-बासमती), चना, कच्चा पाम तेल, सरसों के बीज और उसके उत्पाद सोयाबीन और उसके उत्पाद पर भी रोक लगाई है। यह निर्देश शुरू में 19 दिसंबर 2021 को जारी किए गए थे। शुरुआत में इसे 20 दिसंबर 2022 तक के लिए तय किया था, लेकिन बाद में इसे दो बार और बढ़ाया। पहली बार एक अतिरिक्त साल के लिए 20 दिसंबर, 2023 तक और फिर 20 दिसंबर, 2024 तक। अब सेबी ने व्यापार प्रतिबंधों को 31 जनवरी 2025 तक लागू रखते हुए निलंबन को बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके अलावा सेबी के निदेशक मंडल ने छोटी एवं मझोली कंपनियों के आईपीओ लाने से संबंधित प्रोसेस को सशक्त करने के लिए एक रेगुलेटरी गाइडलाइन को मंजूरी दे दी है। सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में

संशोधन कर निवेश के नए उत्पाद पेश किए हैं। इसके तहत उच्च जोखिम लेने में सक्षम निवेशकों के लिए विशेषीकृत निवेश कोष के साथ सूचकांक और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड से संबंधित योजनाओं के अंतर्गत उदारीकृत 'म्यूचुअल फंड लाइट' की रूपरेखा पेश की है। इसका मतलब है कि इन प्रोडक्ट को निवेशक के हिसाब से डिजाइन किया है। सेबी के निदेशक मंडल ने डिबेंचर ट्रस्टी, ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं, इनविट्स, रीट्स और एसएम रीट्स के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा नियामक ने निवेश बैंकिंग मानदंडों में आमूलचूल बदलाव करने का फैसला किया है। एसएमई यूनिट्स की तरफ से लाए जाने वाले आईपीओ के संबंध में सेबी ने कहा कि आईपीओ लाने की योजना बनाने वाली छोटी एवं मझोली कंपनियों को अपना दस्तावेजों का मसौदा दाखिल करते समय पिछले तीन में से दो वित्त सालों में कम से कम एक करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दिखाना होगा।

सीजीएसटी कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है जीएसटी, रियल एस्टेट कंपनियों को लगेगा झटका

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर परिषद की शनिवार को होने वाली बैठक में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है। इससे सफारी रिट्रीट्स मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला निष्प्रभावी हो जाएगा जिसमें किराए की प्रॉपर्टी की निर्माण लागत पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावों की अनुमति दी थी। ऐसा हुआ तो रियल एस्टेट कंपनियों को झटका लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान होने की आशंका जताई थी। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इसका प्रभाव करीब 10 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है क्योंकि फैसला 1 जुलाई, 2017 से प्रभावी माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सीजीएसटी अधिनियम में इस्तेमाल किए गए शब्द 'प्लांट ऐंड मशीनरी' और 'प्लांट ऑर मशीनरी' अलग-अलग हैं जिन्होंने 'प्लांट' को परिभाषित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए हैं। कोर्ट ने कहा कि आईटीसी के लिए पात्रता का मूल्यांकन हर मामले के आधार पर किया जाना चाहिए। उसमें करदाता के कारोबार की प्रकृति और मकान के उपयोग जैसे कारकों पर विचार करना चाहिए।

इस मामले से जुड़े एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की कानून समिति ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गंभीरता से विचार किया है। समिति ने अस्पष्टता दूर करने और भविष्य में मुकदमेबाजी को रोकने के लिए 1 जुलाई, 2017 से सीजीएसटी अधिनियम में संशोधन करने की सिफारिश की है। समिति ने पाया कि 'प्लांट ऑर मशीनरी' शब्द के बारे में कोर्ट का फैसला जीएसटी परिषद के साथ-साथ विधायिका की मंशा को भी विफल करता है।

अधिकारी ने कहा कि कानून समिति ने पाया कि हर मामले में तथ्यों की जांच के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि परिसंपत्ति सीजीएसटी अधिनियम के तहत प्लांट के तहत आती है या नहीं। इससे काफी भ्रम और अराजकता पैदा हो सकती है जिससे मुकदमेबाजी बढ़ सकती है। इसलिए यह सुचारु कर प्रशासन और कारोबारी सुगमता के लिहाज से उपयुक्त नहीं होगा।

पीडब्ल्यूसी के टैक्स पार्टनर ने कहा कि नीतिगत दृष्टिकोण से देखा जाए तो निर्माण से जुड़े खर्च पर इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति दी जानी चाहिए।

शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक रहा 2024 का साल, कंपनियों ने खूब जुटाए पैसे

3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड पूंजी कमाई

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए 2024 एक ऐतिहासिक साल रहा है। कंपनियों ने 2024 में अब तक इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ), क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) और राइट्स इश्यू के जरिए 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड पूंजी कमाई है। इसके पहले 2021 में कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.88 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल अब तक 90 कंपनियों ने 1.62 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है या इसकी घोषणा की है, जो पिछले साल के 49,436 करोड़ रुपये से 2.2 गुणा अधिक है। 2024 में नए इश्यू के जरिए जुटाई गई राशि करीब 70,000 करोड़ रुपये है, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 43,300 करोड़ रुपये था। 2024 में अब तक 88 कंपनियां क्यूआईपी के जरिए 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं। इसके पहले क्यूआईपी के द्वारा सबसे अधिक राशि 80,816 करोड़ रुपये 2020 में 25 कंपनियों द्वारा जुटाई गई थी। इस अब तक 20 कंपनियों ने राइट्स इश्यू के जरिए करीब 18,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 7,266 करोड़ रुपये और 2022 में यह 3,884 करोड़ रुपये था। 2024 के आखिरी दो हफ्तों में भी यह आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि इस हफ्ते डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स, वेंटीव हॉस्पिटैलिटी, कैरारो इंडिया, सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स, ट्रांसरेल लाइटिंग, कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स, सनाथन टेक्सटाइल्स और ममता मशीनरी जैसी कंपनियों का आईपीओ खुला रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए गतिरोध समाप्त, भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच 2024 से 2027 तक चैंपियंस ट्रॉफी और आईसीसी स्पर्धाओं के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बन गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के गतिरोध को समाप्त हो गया है और भारत और पाकिस्तान ने हाइब्रिड मॉडल पर सहमति व्यक्त की है। दोनों पक्षों में हुए समझौते के तहत आठ टीमों की चैंपियंस ट्रॉफी स्पर्धा में भारत के मैच तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। इसके बदले में भारत में आयोजित होने वाली आईसीसी स्पर्धाओं में भारत के साथ पाकिस्तान के मैच भी तटस्थ स्थल पर होंगे।

दोनों पक्षों में हुए समझौते पर आईसीसी बोर्ड में मतदान हो सकता है। यह समझौता पाकिस्तान में पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025, भारत में वर्ष 2025 में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप तथा 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप पर लागू होगा। ऐसा माना जा रहा है यह 2028 में पाकिस्तान में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप पर भी यह लागू हो सकता है। तटस्थ स्थल का प्रस्ताव टूर्नामेंट के मेजबान बोर्ड द्वारा किया जाएगा और उसे आईसीसी द्वारा अनुमोदित किया जायेगा।

आईसीसी ने कहा है कि उसे भारत, पाकिस्तान और किसी अन्य एशियाई पूर्ण सदस्य राष्ट्र को शामिल करने वाले त्रिकोणीय टी-20 टूर्नामेंट के आयोजन पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि ऐसे टूर्नामेंट तटस्थ स्थल पर खेले जाएं। इस तरह की त्रिकोणीय श्रृंखला का विचार अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के मैचों की मेजबानी खोने के लिए पाकिस्तान के मुआवजे के रूप में आया।

रियाल मैड्रिड ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता, कोच एंसेलोटी ने बनाया रिकॉर्ड

लुसैल (कतर) (एजेंसी)। रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको की टीम पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकांटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता, जिससे कार्लो एंसेलोटी क्लब के इतिहास में सर्वाधिक ट्राफियां जीतने वाले कोच बन गए।

रियाल मैड्रिड ने एंसेलोटी के कोच रहते हुए अपना 15वां खिताब जीता। एंसेलोटी ने इस तरह से मिगुएल मुनोज़ को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1960 और 70 के दशक में स्पेन के इस क्लब का कोच रहते हुए 14 खिताब जीते थे। एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमने अच्छा अंत किया।'

किलियन एम्बाप्पे, रोड्रिगो और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया जिससे रियाल मैड्रिड चार खिताबों के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल क्लब बन गया। इससे पहले उसने 1960, 1998 और 2002 में भी यह टूर्नामेंट जीता था।

क्रिकेटर के तौर पर खेलता रहूंगा: अश्विन

-2025 सत्र में सीएसके की ओर से खेलेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिन आर अश्विन ने कहा है कि भले ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है पर एक क्रिकेटर के तौर पर वह अभी खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं जितने अधिक समय तक हो उतने लंबे समय तक खेलता रहूंगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के ड्रॉ होने के तत्काल बाद ही अश्विन ने खेल को अलविदा कह दिया था। इसी के साथ ही भारतीय टीम के साथ उनका 14 साल का करियर भी समाप्त हो गया। अब अश्विन आगामी आईपीएल 2025 सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने को तैयार हैं। उन्हें पिछले महीने मेगा नीलामी में 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

अश्विन ने कहा, मैं सीएसके के लिए खेलने जा रहा हूं और अगर मैं लंबे समय तक खेलने की कोशिश करता हूं तो हैरान न हों। मुझे नहीं लगता कि अश्विन क्रिकेटर के तौर पर खेलना बंद कर चुके हैं, मुझे लगता है कि अश्विन के भारतीय क्रिकेटर के तौर पर शायद अब खेलने का समय आ गया है। बस इतना ही। अपने संन्यास के बारे में बात करते हुए अश्विन ने खुलासा किया कि यह फैसला सहज था और उन्हें राहत और संतुष्टि की भावना का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा, यह बहुत से लोगों के लिए भावनात्मक है। यह भावनात्मक होगा, शायद यह उनके दिमाग में उतर जाए। लेकिन मेरे लिए, यह राहत और संतुष्टि की बहुत बड़ी भावना है।

अश्विन ने 106 टेस्ट मैचों में 24 की औसत से 537 विकेट के साथ अपने करियर का अंत किया और दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले के बाद भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने बल्ले से छह टेस्ट शतक और 14 अर्द्धशतक भी लगाए। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच एडिलेड में खेला गया डे-नाइट टेस्ट था जिसमें उन्होंने 1-53 रन बनाए थे।

मेलबर्न टेस्ट में जसप्रीत बुमराह रच सकते हैं इतिहास, निशाने पर कई दिग्गजों का महारिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के तहत तीन मैच खेला जा चुके हैं। जिसमें से दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। वहीं अब चौथा टेस्ट दोनों टीमों के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में बुमराह के पास अनोखा रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा।

बुमराह को महज 6 विकेट की दरकार

बुमराह अगर इस मैच में 6 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। बुमराह ने अभी तक खेले गए 43 टेस्ट की 83 पारियों में 194 विकेट लिए हैं। बुमराह मेलबर्न में इस आंकड़े को छू लेते हैं तो वह भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने के मामले में रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ जाएंगे।

वहीं बतौर तेज गेंदबाज भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले गेदंबाज बनेंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड कपिल देव के नाम है, जिन्होंने 50वें टेस्ट में ये मुकाम हासिल किया था।

बुमराह ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर खेले गए 202 मैच की 240 पारियों में 432 विकेट लिए हैं। अगर वह 3 विकेट हासिल कर लेते हैं भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में इशांत शर्मा को पछाड़कर नौवें नंबर पर आ जाएंगे। इशांत ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 199 मैच की 280 पारियों में 434 विकेट झटके हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट

बुमराह अगर 5 विकेट ले लेते हैं तो कामयाब होते हैं तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक रविचंद्रन अश्वि, नाथन लियोन, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। बुमराह ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 33 टेस्ट की 63 पारियों में 145 विकेट लिए हैं।

अश्विन के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली कर सकते हैं संन्यास की घोषणा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पूरा होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। अश्विन के अचानक संन्यास लेने के फैसले से कई प्रशंसक हैरान रह गए। इस तरह वह एमएस धोनी के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बीच संन्यास की घोषणा करने वाले दूसरे हाई प्रोफाइल क्रिकेटर बन गए।

इस बीच, विशेषज्ञों के अनुसार, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा अश्विन के नक्शेकदम पर चलकर जल्द ही संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के दौरान दोनों दिग्गज बल्लेबाजों की बल्लेबाजी तकनीक जांच के दायरे में है। जहां रोहित का पिछली 11 पारियों में औसत 11.69 का रहा है, वहीं ऑफ स्टंप के बाहर गेंद से निपटने में कोहली की तकनीक को ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने पूरी तरह से उजागर कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, कोहली और रोहित अगले महीने की शुरुआत में सिडनी में अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं। टीम इंडिया पूरी तरह से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ऐसे में कोहली और रोहित युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए रास्ता बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर सकते हैं। ऐसी अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी सीरीज के बाद संन्यास की घोषणा कर सकते हैं।

जब मीडिया पर भड़के विराट

मेलबर्न । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली यहां मेलबर्न एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद उस समय एक मीडियाकर्मी पर भड़क गये जब उसने कैमरे का फोकस उनके परिवार पर कर दिया। इसी को लेकर कोहली की एक पत्रकार के साथ तीखी बहस हुई, क्योंकि वह अपने परिवार पर कैमरों की मौजूदगी से परेशान हो गये। ये मामला तब का है जब रिपोर्टर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड का साक्षात्कार ले रहे थे। तभी विराट कोहली और उनका परिवार वहां पहुंचा। तभी मीडियाकर्मियों के कैमरे उनके परिवार पर घूम गये। कोहली इस प्रकार अपने परिवार की सार्वजनिक स्थान पर तस्वीरें लिए जाने से नाराज हो गये। इसी को लेकर एक मीडिया कर्मचारी ने कहा, कोहली को लगा कि मीडिया उनके बच्चों की तस्वीरें खींच रहा है जबकि ये सही नहीं था। कोहली ने कहा, मेरे बच्चों के साथ मुझे प्राइवेसी की जरुरत है, आप मुझसे पूछे बिना फिल्म नहीं बना सकते। बाद में, जब मीडिया ने बताया कि उनके बच्चों को फिल्माया नहीं जा रहा है, तो विराट ने मीडिया के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट की और कैमरामैन से हाथ मिलाया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विराट अब तक केवल एक शतक लगाने के अलावा असफल रहे हैं। पिछले तीन मैचों में उन्होंने केवल 21 रन बनाए हैं। अभी ये सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।

विराट से मिलने की इच्छा जताई सिमरन शेख ने

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली से अनकैप्ड बल्लेबाज सिमरन शेख ने मिलने की इच्छा जताई। महिला प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में गुजरात जायंट्स द्वारा 1.9 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद सिमरन सुर्खियों में आईं। हाल ही में सिमरन ने यह भी खुलासा किया कि विराट उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं और उनका लक्ष्य भारत का प्रतिनिधित्व करना है, जिसके लिए वह हर संभव प्रयास कर रही हैं। सिमरन ने कहा, मेरा सपना एक बार विराट कोहली से मिलना है। मुझे बस भारत की जर्सी चाहिए और इसलिए मैं ये सब प्रयास कर रही हूं। अनकैप्ड बल्लेबाज के लिए दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी बोली लगाने की होड़ में शामिल हुई। उनका बेस प्राइस 5 लाख रुपए था और जायंट्स ने उन्हें 1.9 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि में खरीदा। टूर्नामेंट के पहले सीजन में सिमरन ने गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी के लिए खेला और 9 मैचों में हिस्सा लिया। सिमरन को लगता है कि फ्रैंचाइजी में योगदान देना उनकी जिम्मेदारी है और उन्होंने कहा, मैं जीजी (गुजरात जायंट्स) परिवार का शुक्रिया अदा करती हूं। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद अब उनके लिए प्रदर्शन करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं अपने माता-पिता का शुक्रिया अदा करती हूं क्योंकि मेरे समुदाय में ऐसी चीजों के लिए ज़्यादा समर्थन नहीं है, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। नीलामी पर बोलते हुए मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने कहा कि टीम की प्राथमिकता ऐसे खिलाड़ियों को हासिल करना है जो प्लेइंग 11 में प्रभाव डाल सकें और सिमरन टीम के लिए एक मूल्यवान खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, सिमरन शेख टीम के लिए एक और मूल्यवान खिलाड़ी हैं। वह बहुत ताकत लेकर आती हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। महिला क्रिकेट में ऐसी मुट्ठी भर खिलाड़ी ही हैं जो ऐसा कर सकती हैं।

भारतीय टीम उत्साहित होकर मेलबर्न पहुंची

जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी भारतीय टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे से होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए यहां पहुंच गयी है। अभी तक ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहला टेस्ट भारतीय टीम ने जीता था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता। मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पिछले एक दशक से भारतीय टीम के लिए अच्छा साबित हुआ है और एक प्रकार से घरेलू मैदान की तरह ही बन गया है। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक में यहां 3 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से उसे दो में जीत मिली है जबकि मेजबान टीम एक भी मैच नहीं जीती है। दोनों टीमें अब 26 दिसंबर से ही यहां खेलेंगी। भारतीय टीम यहां जीत की हैट्रिक बनाने के इरादे के साथ मैदान पर उतरेगी।

पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने मेलबर्न में पहला टेस्ट 1948 में खेला। इस साल उसने यहां दो टेस्ट मैच खेले जिसमें से उसे एक में पारी की हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने मैच में 233 रन से टीम हारी इसके बाद 1968 में भारतीय टीम की यहां पारी से हार हुई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में भारत के खिलाफ लगातार तीन जीत दर्ज की। कुल रिकॉर्ड की बात करें तो भारतीय टीम ने मेलबर्न में अब तक 14 टेस्ट मैच में से 4 मैच जीते हैं, जबकि 8 वह हारी है और 2 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं।

भारत को ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत 1978 में बिशन सिंह बेदी की कप्तानी में मिली। भारतीय टीम ने यहां 222 रन से मुकाबला जीता। इस जीत में मुख्य भूमिका महान स्पिनर भगवत चंद्रशेखर ने 12 विकेट लेकर निभाई थी जबकि सुनील गावस्कर ने शतक लगाया था।

विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया को 137 रन से हराया था। वहीं 2020 में विराट कोहली के बीच में ही सीरीज से लौटन पर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया था।

सनवे सिट्जस ब्लिट्ज़ : भारत के इलामपारथी रहे उपविजेता , ईरान के महदी बने विजेता

बार्सिलोना । दुनिया के प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट में शुमार सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव में इस क्लासिकल के साथ साथ रैपिड और ब्लिट्ज़ के मुक़ाबले भी खेले जा रहे है और कल इसमें सम्पन्न हुए इंटरनेशनल ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट में 31 देशो के करीब 100 चुनिन्दा खिलाड़ियों नें भाग लिया और इसमें भारत के उभरते हुए शतरंज खिलाड़ी एआर इलामपारथी नें शानदार खेल दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया । बड़ी बात यह रही की सातवें वरीय इलामपारथी नें इस दौरान अंतिम तीन राउंड में लगातार तीन जीत दर्ज की उन्होनें सातवे राउंड में कनाडा के इंटरनेशनल मास्टर एंथनी अटनासोव को फिर आठवे राउंड में टॉप सीड जर्मनी के ग्रांड मास्टर अलेक्ज़ेंडर डोनचेंकों को और नौवे फाइनल राउंड में जॉर्जिया के फीडे मास्टर डेनियल सफ़रोव को पराजित करते हुए कुल 8 अंक बनाए । ईरान के ग्रांड मास्टर छठे वरीय महदी घोलामी 8.5 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे और पिछले दिनो एलोब्रेगात ब्लिट्ज़ जीतने के बाद यह उनका दूसरा ब्लिट्ज़ खिताब है । 7 अंक बनाकर बेहतर ट्राईब्रेक के आधार पर फ्रांस के लोइक त्रावडोन तीसरे स्थान पर रहे ।

जिम्बाब्वे 54 पर ऑलआऊट, अफगानिस्तान की मिली सबसे बड़ी वनडे जीत

खेल डैस्क - अफगानिस्तान ने हरारे के मैदान पर जिम्बाब्वे को 232 रन से हराकर इतिहास रच दिया है। यह रनों के लिहाज से अफगानिस्तान की सबसे बड़ी जीत है। सेदिकुल्लाह अटल (104) की शतकीय और अब्दुल मलिक (84) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए 286 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 54 रन पर ऑल आऊट हो गई। जिम्बाब्वे का यह अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे न्यूनतम टोटल भी रहा। जिम्बाब्वे की फारूकी, उमरजई और नवीद जादरान की स्विंग और सीम के आगे कमजोरी उजागर हो गई। बेन कुरेन के दुर्भाग्यशाली रन-आउट को छोड़कर, बाकी बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए। जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल और अब्दुल मलिक की सलामी जोड़ी बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 191 रनों की साझेदारी की। 35वें ओवर में एन न्याम्हुरी ने अब्दुल मलिक (84) को बोल्ड कर जिम्बाब्वे को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने अजमतउल्लाह ओमरजई (5) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। तीसरे विकेट के रूप में रहमत शाह (1) रन बनाकर आउट हुए। 43वें ओवर में एन न्याम्हुरी ने सेदिकुल्लाह अटल को भी अपना शिकार बना लिया। सेदिकुल्लाह अटल ने 128 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 104 रनों की पारी खेली। 49वें ओवर में मोहम्मद नबी (18) रन बनाकर आउट हुए। आखिरी ओवर में इकराम अलीखिल (5) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (29) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट पर 286 का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से एन न्याम्हुरी ने 3 विकेट लिए। ट्रेवर ग्वांडू ने 2 बल्लेबाज को आउट किया।

मेरे उतार-चढ़ाव में हमेशा साथ दिया, उसके लिए धन्यवाद : टिम साउथी

हैमिल्टन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने अपने विदाई टेस्ट मैच के बाद कहा कि मैंने वर्षों से खेलने का आनंद लिया है। इस अवसर पर मैं कुछ लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 17 वर्षों में उतार-चढ़ाव के दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमेशा साथ दिया। साथ ही सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहूंगा। प्रशंसकों को भी। प्रशंसकों के सामने आना हमेशा अच्छा होता है, और इस सप्ताह सेडॉन पार्क में भारी भीड़ के सामने खेलना बहुत खास रहा। अब मैं एक प्रशंसक के रूप में मैच देखने के लिए उत्सुक रहूंगा। साउदी ने 776 अंतर्राष्ट्रीय विकेटों के साथ खेल से संन्यास लिया है। वह सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कीवी गेंदबाज हैं। साउथी ने 391 टेस्ट विकेट हासिल किए, जो रिचर्ड हैडली (431 विकेट) के बाद किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक विकेट है। टी20 इंटरनेशनल में वह 164 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 221 एकदिवसीय विकेटों के साथ, वह काइल मिल्स (240 विकेट) और डैनियल विटोरी (297 विकेट) के बाद, कीवीज के लिए एकदिवसीय मैचों में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के एक सक्षम बल्लेबाज भी थे, जिन्होंने 394 मैचों में 14.11 की औसत और 8 अर्द्धशतकों के साथ 3,288 रन बनाए। इनमें से अधिकांश रन टेस्ट में आए, जिसमें 15.48 की औसत से 2,245 रन बने, जिसमें 7 अर्द्धशतक शामिल थे। टेस्ट में उन्होंने 98 छक्के लगाए हैं। ऐसा कर वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले प्लेयरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की है।

बेटे के संन्यास पर रविचंद्रन अश्विन के पिता का चौंकाने वाला खुलासा

चेन्नई (एजेंसी) । रविचंद्रन अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद गुरुवार को स्वदेश लौट आए। अपने संन्यास के फैसले से क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले अश्विन ऑस्ट्रेलिया से तुरंत वापस चले आए और उनका चेन्नई एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां तक कि अश्विन के पिता और मां जो चेन्नई लौटने पर आंखों में आंसू लिए उनसे मिले, ने भी माना कि यह खबर उनके लिए उतनी ही चौंकाने वाली थी जितनी कि दुनिया भर में उनके लाखों प्रशंसकों के लिए। अश्विन के पिता ने कहा कि टेस्ट के महान खिलाड़ी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने के पीछे 'अपमान' एक कारण हो सकता है।

अश्विन के पिता ने एक मीडिया हाउस को बताया, 'मुझे भी आखिरी समय में पता चला। उसके दिमाग में क्या चल रहा था, मुझे नहीं पता। उसने बस घोषणा कर दी। मैंने भी इसे पूरी खुशी के साथ स्वीकार किया। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं थी। लेकिन जिस तरह से उसने संन्यास लिया, उससे एक तरफ मैं बहुत खुश था, दूसरी तरफ खुश नहीं था क्योंकि उसे जारी रखना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, '(संन्यास लेना) उसकी (अश्विन की) इच्छा है, मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता, लेकिन जिस तरह से उसने संन्यास लिया, उसके कई कारण हो सकते हैं। केवल अश्विन ही जानता है, शायद अपमान के कारण। इसमें कोई संदेह नहीं है (परिवार के लिए भावनात्मक क्षण) क्योंकि वह 14-15 साल तक मैदान पर था। अचानक हुए बदलाव, रिटायरमेंट ने हमें वाकई एक तरह का झटका दिया।'

अश्विन अपने खेल के शीर्ष पर थे, खासकर टेस्ट क्रिकेट में लगभग एक दशक से। उन्होंने अपने करियर का अंत देश के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में किया। न सिर्फ टेस्ट में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी। अश्विन के पिता को लगता है कि वह खेलना जारी रख सकते थे, लेकिन उन्हें इसे छोड़ना पड़ा क्योंकि उन्हें 'अपमानित' किया जा रहा था।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, इसमें कोई संदेह नहीं है (परिवार के लिए भावनात्मक क्षण), क्योंकि वह 14-15 साल तक मैदान पर था। अचानक हुए बदलाव - रिटायरमेंट - ने हमें वाकई एक तरह का झटका दिया। साथ ही, हम इसकी उम्मीद भी कर रहे थे क्योंकि अपमान हो रहा था। वह कब तक इन सब चीजों को बर्दाश्त कर सकते हैं? रविचंद्रन ने कहा, 'शायद, उन्होंने खुद ही फैसला किया होगा।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लगता है, इसके फायदे भी उतने ही होते है। यदि आप ठंड में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम में होने वाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल को खाने से मिलने वाले फायदे -

- यदि आपकी त्वचा पर कट लगा हो या घाव हो जाए तो आप बेर का गूदा घिसकर घाव पर लगा लें। ऐसा करने से घाव जल्दी भरता है।
- बेर का सेवन खुश्की और थकान को दूरने में मदद करता है।
- बेर की पत्तियों में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, क्लोरीन, प्रचुर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाएं तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते है।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सूखे हुए बेर खाने से कब्ज और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाछ के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उलटी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थमा के रोगियों को भी आराम मिलता है साथ ही अगर किसी को मसूड़ों में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता हैं।

टमाटर सूप है बेहद फायदेमंद

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे -

हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन K और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है।

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए1 इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

खून की कमी होने से बचाए

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा। हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

पोषण के मामले में सभी दालों पर भारी है मूंग दाल

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

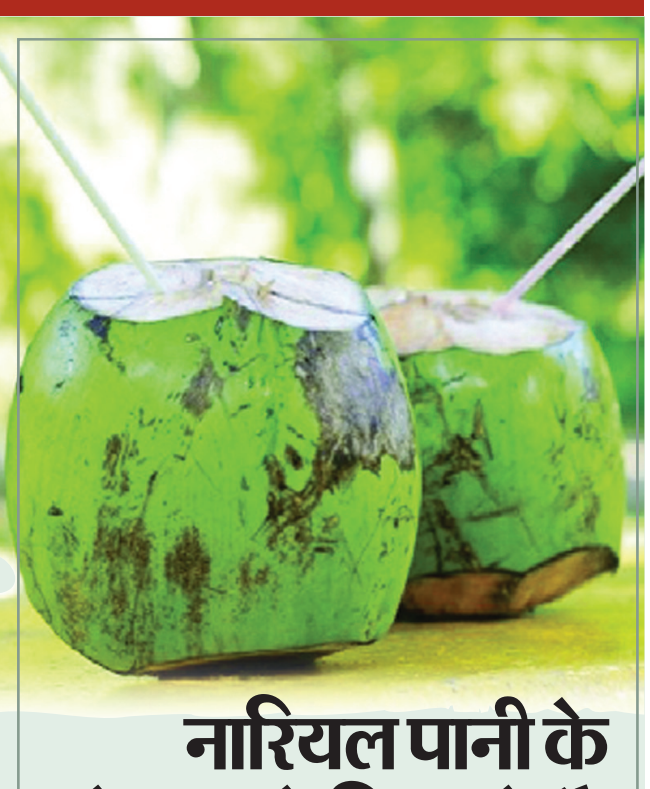

नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी।

चाय बनाने की सही विधि

सामग्री : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लंच बॉक्स में मांसाहारी खाना, प्रिंसिपल ने बच्चों को स्कूल से निकाला

-हाईकोर्ट ने छात्रों के हक में फैसला सुनाया

लखनऊ । स्कूल के लंच बॉक्स में मांसाहारी खाना लाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने छात्रों के हक में फैसला सुनाया है, जिसे स्कूल से कथित तौर पर टिफिन में मांसाहारी भोजन लाने के कारण निकाल दिया था। दरअसल, अमरोह के एक स्कूल प्रिंसिपल ने तीन नाबालिग छात्रों को टिफिन में नॉन-वेज लाने की वजह से स्कूल से निकाल दिया था। इसके बाद बच्चों की मां ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने बच्चों के स्कूल में मांसाहारी भोजन लाने पर आपत्ति जताकर बच्चों को गलत तरीके से स्कूल से निकाला है। याचिका पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की बेंच ने फैसला सुनाया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अमरोहा के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि वे दो सप्ताह के अंदर बच्चों को सीबीएसई से संबद्ध किसी अन्य स्कूल में दाखिला दिलाएं और अदालत के समक्ष अनुपालना का हलफनामा दाखिल करें। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि स्कूल के इस कदम से बच्चों के शिक्षा के अधिकार का हनन हुआ है।

पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

पटना । पटना से बांद्रा जा रही पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे के नीचे अचानक आग लगी। घटना के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। दानापुर-दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) रेलखंड के पास यह हादसा हुआ। फायर ब्रिगेड और रेलवे की टीम ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रात करीब 1:02 बजे जब ट्रेन टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी वहां मौजूद रेलवे कर्मियों ने देखा कि ट्रेन के जनरल बोगी के निचले हिस्से से आग की लपटें उठ रही थीं। उन्होंने तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद ट्रेन को डुमरांव स्टेशन पर रोक गया। अग्निशमन अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आग एलएचबी कोच (जनरल बोगी) के पहिए और एक्सल के बीच लगी थी। यह आग ज्यादा फैलने से पहले ही बुझा दी गई। यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया- घटना के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित डिब्बे से बाहर निकाल लिया गया। किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। इस घटना के कारण ट्रैक पर ट्रेनों का आवागमन तीन घंटे तक बाधित रहा। आग से प्रभावित बोगी को डुमरांव स्टेशन पर ही अलग कर दिया गया। बाकी ट्रेन को बांद्रा के लिए रवाना कर दिया गया। यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता- रेलवे का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए रेलवे की सभी टीम हमेशा तैयार रहती है। इस हादसे में रेलवे कर्मियों की सतर्कता के कारण बड़ा नुकसान टल गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय किए गए।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से अब तक 8 मौतें, विशेषज्ञों की टीम की गठित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक अज्ञात बीमारी से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। बुधवार को एक अस्पताल में रहस्यमय बीमारी से एक और बच्चे की मौत हो गई, जिसके बाद प्रभावित गांव में मौतों की जांच में सहायता के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है। अधिकारियों के मुताबिक जांच में तेजी लाने और बीमारी की पहचान करने के लिए राजौरी में एक बायोसेफ्टी लेवल 3 मोबाइल प्रयोगशाला भेजी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मोहम्मद रफीक के 12 साल के बेटे अशफाक अहमद की छह दिनों तक जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती रहने के बाद मौत हो गई। उसे पहले इलाज के लिए चंडीगढ़ रेफर किया गया था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। अशफाक के छोटे भाई-बहन 7 साल के इशितयाक और 5 साल की नाजिया की पिछले गुरुवार को मौत हो गई थी। अशफाक की मौत के साथ ही कोटरंका तहसील के बदहाल गांव में मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। सभी मृतक एक ही गांव के दो परिवारों के थे। राजौरी के उपायुक्त ने बदहाल गांव में जमीनी हालात का आकलन करने के लिए सोमवार को कोटरंका का दौरा किया, जहां 14 साल से कम उम्र के छह बच्चों सहित सात लोगों की अज्ञात बीमारी के कारण मौत हो गई।

कांग्रेस बाबा साहेब के नाम का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करती : किरण चौधरी

चंडीगढ़ । राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में संविधान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति कांग्रेस पार्टी का व्यवहार हमेशा विवादों में रहा है। एक ओर कांग्रेस बाबा साहेब के नाम का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करती है, वहीं दूसरी ओर बाबा साहेब के योगदान और विचारधारा का लगातार अपमान करती आ रही है। उन्होंने कहा कि 1975 में देश पर लगे आपातकाल को शायद ही कोई भूल सकता है। लोकतंत्र का गला घोंटते हुए निर्दोष लोगों को जेलों में डाला गया था। यह संविधान के प्रति कांग्रेस के असंवेदनशील रवैये का जीता जागता उदाहरण है। आज भी कांग्रेस गृह मंत्री अमित शाह के बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है, जो उसकी पुरानी चालबाजी का परिचायक है। भाजपा सांसद चौधरी ने कहा कि यह एक कड़वी सच्चाई है कि जब अंबेडकर जी ने भारतीय समाज के कमजोर वर्गों की आवाज उठाने की कोशिश की, तब कांग्रेस ने उन्हें हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश की। यहां तक ??कि लोकसभा में उनके प्रवेश को भी रोकने की कोशिश की गई। यह सिर्फ व्यक्तिगत असहमति नहीं थी बल्कि समानता और सद्भाव की वकालत करने वाली बाबा साहेब की विचारधारा को दबाने का प्रयास था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सदैव बाबा साहेब के योगदान का सम्मान किया है। भाजपा ने बाबा साहेब के जीवन और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य गंभीरता से किया है। उनकी जयंती और उनके विचारों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करना भाजपा की प्राथमिकता में शामिल रहा है।

पंडित नेहरू डॉ. अम्बेडकर से नफरत करते थे, हां, यह विशुद्ध नफरत : नड्डा

-नेहरू ने डॉ. अम्बेडकर को दो बार हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर पर जारी राजनीति के बीच कांग्रेस पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कल से, सत्य, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में विश्वास करने वाले सभी लोगों द्वारा कांग्रेस और उसके सड़े चुके इकोसिस्टम को बेनकाब किया गया है। इसलिए, मैंने डॉ.अम्बेडकर के प्रति कांग्रेस की गहरी नफरत को दिखाते हुए कुछ तथ्य साझा करने के बारे में सोचा। उन्होंने कहा, ÷पंडित नेहरू डॉ. अम्बेडकर से नफरत करते थे। हां, यह विशुद्ध नफरत थी। इसीलिए पंडित नेहरू ने डॉ. अम्बेडकर को दो बार हराया। इतना ही नहीं पंडित नेहरु वह गर्व से विदेशों में लोगों को पत्र लिख रहे थे, इस पर खुशी व्यक्त कर रहे थे कि आदरणीय बाबासाहेब अब कैबिनेट में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ÷26, अलीपुर रोड को बहुत पहले ही एक भव्य स्मारक में बदल दिया जाना चाहिए था जो लोगों को प्रेरित करता। लेकिन, डॉ. अंबेडकर से नफरत करने वाली कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। यह हमारी एनडीए सरकार थी जिसे 26, अलीपुर रोड को एक प्रतिष्ठित स्थान के रूप में विकसित करने का सम्मान मिला। मुंबई में चैत्य भूमि... दशकों तक कांग्रेस में सामाजिक न्याय के स्वयंभू संरक्षकों ने वहां एक भव्य स्मारक बनाने के खोखले वादे किए।

नड्डा ने सैम पित्रोदा की तस्वीर साझा कर कहा, ÷राजवंश के सबसे वफादार दरबारी ने बताया कि कांग्रेस वास्तव में डॉ. अम्बेडकर के बारे में क्या सोचती है, कि हमारे संविधान के निर्माण में बाबासाहेब की कोई भूमिका नहीं थी। कुछ स्क्रीनशॉट वास्तव में हजारों शब्द बोलते हैं। एक्स पोस्ट को हटाया जा सकता है लेकिन उनकी वास्तविक भावनाएं कभी नहीं जाएंगी।÷ उन्होंने पोस्ट में कहा, '15, जनपथ पर डॉ. अंबेडकर की स्मृति में एक विश्व स्तरीय केंद्र बनाया जाना था। लेकिन दुख की बात है कि कांग्रेस उस सड़क पर एक घर से आगे नहीं देखती थी, इसलिए उन्होंने यह काम अधूरा छोड़ दिया। आखिरकार 2017 में डॉ.अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया। कांग्रेस नेताओं को विदेशी धरती पर भारत के बारे में झूठ फैलाना पसंद है। लेकिन, उन्होंने लंदन में उस जगह की कभी परवाह नहीं की, जहां खुद डॉ. अंबेडकर रहते थे। पीएम नरेंद्र मोदी 2015 की यूके यात्रा के दौरान वहां गए, और बाद में इस जगह को महाराष्ट्र सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया। नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा, मैं कांग्रेस और उनके सड़े हुए इको-सिस्टम को

बताना चाहता हूं कि जून में आप लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव हारे। इसके साथ ही आपने आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में निराशाजनक प्रदर्शन किया। अक्टूबर में आप हरियाणा में हार गए। वहीं, नवंबर में आप महाराष्ट्र में बुरी तरह हारे। कम से कम अब तब झूठ बोलना बंद कर दीजिए, क्योंकि आपका झूठ अनियंत्रित नहीं होगा। सत्य की हमेशा जीत होगी... जय भीम।

भारत को अक्सर अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ज्ञान दिया जाता हैं, अन्य देशों में अल्पसंख्यक कैसी स्थिति में

-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दिया बयान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदाय किस स्थिति में हैं। हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि विश्व शांति की बात करके प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास हो रहा है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा, विश्व शांति के बारे में बड़े ऐलान हो रहे हैं। हम (भारत) को भी विश्व शांति के बारे में सलाह दी जाती है, लेकिन वहीं युद्ध रुक नहीं रहे हैं। जबकि हमें अक्सर अपने देश में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंता करने को कहा जाता है, हम देख रहे हैं कि बाहर अल्पसंख्यक किस प्रकार की स्थिति का सामना कर रहे हैं। हालांकि, संघ प्रमुख ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई संदर्भ नहीं दिया। लेकिन संघ ने शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के हिंदुओं की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की थी। भागवत ने कहा, मानव धर्म (मानवता) सभी धर्मों का शाश्वत धर्म है, जो विश्व धर्म भी है और इस हिंदू धर्म भी कहा जाता है। हालांकि, दुनिया ने इस धर्म को भुला दिया है। उनके पास वही धर्म है लेकिन उन्होंने इस भुला दिया और इसलिए आज हम विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जैसे पर्यावरण और अन्य मुद्दे है।

विकास और स्थिरता के बीच संतुलन रखना जरुरी: बिरला

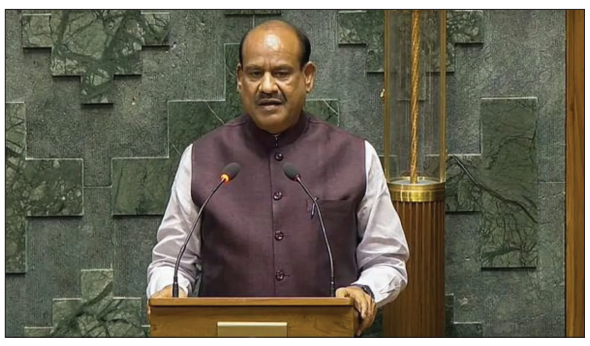

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नई दिल्ली में जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन विश्व की बड़ी चुनौतियों में से एक है और इससे निपटने में मिशन लाइफ-लाइफ़ फॉर एनवायरनमेंट सबसे सक्षम रणनीति है।

बिरला संसद भवन परिसर में भारतीय वन सेवा के 2023-25 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के समूह को संसदीय प्रक्रियाओं और कार्यपद्धतियों से अवगत कराने के पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह पाठ्यक्रम लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (पीआरआईडीई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा की जलवायु परिवर्तन की चुनौती कम करने के अभियान के नेतृत्व की अंतर्निहित जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से देश के वन क्षेत्र को विस्तारित करने और वन्यजीवों की सुरक्षा के दृढ़ता से प्रयास करने को प्रेरित किया। संसद में वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण असंतुलन से संबंधित मुद्दों पर नियमित रूप से चर्चा होती है। आयोजन में लोक सभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया जबकि लोक सभा सचिवालय के संयुक्त सचिव गौरव गोयल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। लोकसभा के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 22 महिला प्रशिक्षु सहित भारतीय वन सेवा के 112 प्रशिक्षु अधिकारी भाग ले रहे हैं। इसमें रॉयल भूटान सेवा के दो अधिकारी भी प्रशिक्षण प्राप्?त कर रहे हैं।

मायावती ने अमित शाह की टिप्पणी को बताया आंबेडकर की गरिमा पर आघात, बयान वापसी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने इसे बाबा साहेब की गरिमा पर आघात बताते हुए अमित शाह से अपने बयान को वापस लेने की मांग की है।

मायावती ने कहा, कि अमित शाह की टिप्पणी से बाबा साहेब आंबेडकर के अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्हें तुरंत अपनी टिप्पणी वापस लेनी चाहिए। बाबा साहेब के प्रति भाजपा की इस तरह की सोच को देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की ऐसी कोई भी राजनीतिक चाल सफल नहीं होगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा, कि कांग्रेस ने भी

हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। बाबा साहेब ने खुद दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। यहां बताते चलें कि इस बयान से पहले मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा था, कि दलितों और अन्य वंचित वर्गों के लिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर भगवान के समान हैं। उनके द्वारा संविधान में दिए गए कानूनी अधिकारों की वजह से इन वर्गों को जीवन का स्वर्ग प्राप्त हुआ है।

अखिलेश यादव ने भी साधा निशाना

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा, जिनका मन विद्वेष से भरा है, वो देश क्या चलाएंगे। अमित शाह की टिप्पणी बाबा साहेब और उनके दिए संविधान का अपमान है। भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का यह एक और उदाहरण है। भाजपा संविधान को अपना विरोधी मानती है क्योंकि यह गरीबों, वंचितों और दमितों के शोषण के खिलाफ ढाल बनकर खड़ा है।

अपने विधायकों के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुंचे एकनाथ शिंदे

मुंबई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री की हर बात मानने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुंचे और आरएसएस के संस्थापक डॉ.के.बी.हेडगेवार के स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संघ के दूसरे सरसंघचालक एम.एस.गोलवलकर के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। शिवसेना के कई अन्य विधायकों ने भी डॉ.हेडगेवार और गोलवलकर की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें आरएसएस का संक्षिप्त परिचय दिया। इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, यह बहुत पवित्र भूमि है। यहां आने के बाद सभी को एक ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है...संघ परिवार को अगले वर्ष 100 साल हो रहे हैं, यब बहुत बड़ी बात है...जिसको निरपेक्ष भावना से सामाजिक काम करना है, उसे यहां जरूर आना चाहिए। बता दें कि हाल में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले शिंदे ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे और वरिष्ठ नेता आनंद दीघे का नाम लेकर यह प्रदर्शित किया था कि वह इन लोगों के विचारों, नीति और निर्देश का पालन करते हैं और करते रहने वाले है। बता दें कि शिंदे देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में गृह मंत्रालय मांग रहे हैं। राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार हो चुका है लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है इसलिए शिंदे के संघ नेतृत्व से मुलाकात के तमाम मायने निकाले जा रहे हैं।

प्यारे दोस्तजजिस देश में हमने योगदान दिया उसमें हमारे साथ अन्याय हुआ

* विजय माल्या ने ललित मोदी को किया टैग, जांच एजेंसियों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा भगौड़ा घोषित हो चुके और करोड़ों रुपए के गबन के आरोपी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय जांच एजेंसियों पर निशाना साधा है। माल्या ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने किंगफिशर एयरलाइंस के लोन को 6203 करोड़ रुपए का आंका गया है जिसमें ब्याज की रकम 1200 करोड़ रुपए भी शामिल थी। उन्होंने दावा किया कि वित्त मंत्री ने संसद में कहा था कि ईडी के जरिए से बैंकों ने 6203 करोड़ रुपए के बदले 14131 करोड़ रुपए की रिकवरी की है, लेकिन फिर भी वह एक आर्थिक अपराधी माने जा रहे हैं। विजय माल्या ने यह भी कहा कि जब तक ईडी और बैंकों के पास यह कानूनी सबूत नहीं होंगे कि कैसे दोगुना लोन रिकवर किया गया, वह राहत पाने के हकदार हैं, और इसके लिए वह कोशिश करते रहेंगे।

विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में ललित मोदी को भी टैग करते हुए लिखा कि धन्यवाद मेरे सबसे प्यारे दोस्तज्जिस देश में हमने योगदान देने की कोशिश की वहां हम दोनों के साथ अन्याय हुआ है। ललित मोदी पर भी घोटाले के आरोप है और वह भी भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। माल्या और मोदी के बीच यह सहानुभूति और समर्थन का रिश्ता दिखा रहा है। भारत में माल्या के खिलाफ लोन की वसूली के लिए उनकी संपत्तियों की नीलामी लगातार की जा रही है, जिससे बैंकों को उनकी कर्ज की रकम वापस मिल रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में लोकसभा में बताया कि ईडी ने भगोड़े कारोबारियों की 22,280 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं, जिनमें विजय माल्या की संपत्तियां भी शामिल हैं। इन संपत्तियों को बेचकर बैंकों को 14 हजार करोड़ रुपए की राशि लौटाई जा चुकी है। माल्या पर बैंकों से 9 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है, जो किंगफिशर एयरलाइंस द्वारा लिए गए लोन से जुड़ा है। माल्या मार्च 2016 में ब्रिटेन भाग गए थे और तब से भारतीय अदालतों के सामने पेश नहीं हुए हैं। ईडी ने उनके मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई संपत्तियां जब्त की हैं।

देशभर के किसानों को एकत्र कर लड़ेंगे लड़ाई: टिकैत

फतेहपुर (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नेता राकेश टिकैत ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए सरकार को किसानों का विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि देश में सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए रणनीति तैयार करती है। जबकि किसानों के हित के बारे में सरकार को बिल्कुल भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी गारंटी कानून लागू नहीं कर रही है, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से देश भर के किसान पिस रहे हैं। अगर सरकार द्वारा किसानों के हित में कदम नहीं उठाए गए तो देश भर के किसान एकत्रित होकर इसकी लड़ाई लड़ेंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

थ्जले के खागा कस्बे में स्थित गल्ला मंडी परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा किसान महापंचायत का आयोजन किया गया था। किसान महापंचायत में भाकियू

प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे। जहां भाकियू अध्यक्ष ने किसानों के हित में सरकार के प्रति जमकर हल्ला बोला। महापंचायत में पंजाब में चल रहे किसानों के आंदोलन को समर्थन दिया गया। मंच पर पहुंचते ही भाकियू अध्यक्ष राकेश टिकैत ने सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया। राकेश टिकैत ने किसानों से नस्ल और फसल दोनों बचाने की अपील की। कहां सरकार की नीतियां किसानों को खत्म करने पर आमादा है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार झूठ बोल रही है और उनका एजेंडा केवल हिंदू और मुस्लिम को बांटने का है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह के अंबेडकर वाले बयान पर भी हमला करते हुए कहा कि सरकार इतिहास को मिटाने और संविधान में संशोधन करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुरानी धरोहरों को नष्ट करने की साजिश कर रही है। अगर किसानों की हित में सरकार फैसला नहीं लेती तो देश भर के किसान एकत्रित होकर एक बड़े आंदोलन की ओर अग्रसर हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

नई कामयाबी: भारत और चीन के बीच फिर से शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा !

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच लंबे वक्त तक बने हुए विवाद की समाप्ति के बाद बीजिंग में दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसका नतीजा ये रहा कि अब भारत और चीन के बीच फिर से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू होगी !

जिसमें भारत का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने किया और चीन की तरफ से बैठक में विदेश मंत्री वांग यी शामिल हुए। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद एक बयान जारी कर बताया कि विशेष प्रतिनिधियों ने अपनी वार्ता में इस बात के महत्व को रेखांकित किया कि सीमा के इलाकों में शांति और सौहार्द को बनाए रखने से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलती है। सीमा के मसले पर दोनों के बीच सकारात्मक और रचनात्मकता बातचीत हुई। एलएसी पर जमीनी स्तर पर शांति बहाली की भी डोभाल और वांग यी ने वकालत की। बैठक में साझा हितों से जुड़े हुए भारत और चीन के दोनों पक्षों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की गई। इसके अलावा सीमा पार सहयोग, कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से शुरुआत, सीमा पार नदी सहयोग और व्यापार के मामले पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच स्थिर और बेहतर संबंध क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। यहां बता दें कि दोनों देशों के बीच 2020 से कोरोना महामारी के समय से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा पर रोक लगी हुई है।

कायम होगी सीमा पर शांति

मंत्रालय ने बताया कि अपनी बातचीत के दौरान 2020 के विवाद से सीख लेते हुए दोनों विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा पर शांति और सौहार्द कायम करने के उपायों पर मंथन किया और प्रभावी सीमा प्रबंधन पर भी जोर दिया। साथ ही इसकी प्राप्ति के लिए दोनों ने सैन्य और कूटनीतिक तंत्र के मार्गदर्शन का प्रयोग करने पर सहमति जताई। यह बैठक एलएसी विवाद की समाप्ति की भारत द्वारा 21 अक्टूबर 2024 को की गई घोषणा के बाद रूस के कजान शहर में दोनों देशों के राष्ट्रध्यक्षों के बीच हुई पहली द्विपक्षीय बैठक में बनी सहमति के आधार पर हुई। 2020 में हुए सीमा विवाद के खत्म होने के बाद हुई विशेष प्रतिनिधियों की यह पहली बैठक थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इजरायली सेना निकट भविष्य में सीरिया के बफर जोन पर कब्जा बनाए रखेगी : नेतन्याहू

गाजा, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि इजराइली सेना सीरियाई सीमा पर 'बफर जोन' में और विशेष रूप से माउंट हरमोन की चोटी पर रहेगी ''जब तक कोई अन्य व्यवस्था नहीं हो जाती।'' नेतन्याहू ने कहा कि वह 53 वर्ष पहले एक सैनिक के रूप में माउंट हरमोन की चोटी पर गए थे, लेकिन हाल की घटनाओं को देखते हुए इजराइल की सुरक्षा के लिए इस चोटी का महत्व और बढ़ गया है। पहली बार इजराइल के प्रधानमंत्री ने सीरियाई क्षेत्र में प्रवेश किया। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद को विद्रोहियों द्वारा अपदस्थ किये जाने के कुछ दिनों बाद इजराइल ने इजराइल द्वारा कब्जा किये गये बफर जोन 'गोलान हाइट्स' की सीमा से लगे दक्षिणी सीरिया के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया। नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज के साथ बफर जोन का दौरा किया। कैट्ज ने कहा कि उन्होंने इजराइली सेना को शीघ्र ही वहां टुकड़ियां तैनात करने का निर्देश दिया है, क्योंकि इस क्षेत्र में उनकी लंबे समय तक मौजूदगी हो सकती है।

ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाने की चेतावनी दी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिका के कुछ उत्पादों पर काफी ज्यादा शुल्क लगाता है और उन्होंने एक बार फिर इसके बदले में भारतीय उत्पादों पर इसी तरह ज्यादा शुल्क लगाने की बात कही है। ट्रंप ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ''आम तौर पर देखा जाता है कि अगर वे हम पर शुल्क लगाते हैं तो हम भी उन पर उतना ही शुल्क लगाते हैं। लगभग सभी मामलों में वे हम पर शुल्क लगा रहे हैं, जबकि हम उन पर शुल्क नहीं लगा रहे हैं। उन्होंने चीन के साथ संभावित व्यापार समझौते पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा कि भारत और ब्राजील उन देशों में शामिल हैं जो कुछ अमेरिकी उत्पादों पर काफी ज्यादा शुल्क लगाते हैं। ट्रम्प ने मार-ए-लागो में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''अगर भारत हमसे 100 प्रतिशत शुल्क लेता है, तो क्या हम उससे बदले में कुछ नहीं लेंगे? आप वाकिफ हैं, वे साइकिल भेजते हैं और हम उन्हें साइकिल भेजते हैं। वे हमसे 100 और 200 प्रतिशत शुल्क लेते हैं। भारत बहुत ज्यादा शुल्क लेता है। ब्राजील भी बहुत ज्यादा शुल्क लेता है। अगर वे हमसे शुल्क लेना चाहते हैं तो ठीक है, लेकिन हम उनसे इसी तरह ज्यादा शुल्क लेंगे।'' आगामी ट्रंप प्रशासन के लिए नामित वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि जो जैसा करता है उसके साथ भी वैसा ही करना, ट्रंप प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण विषय होने जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आप हमारे साथ जैसा व्यवहार करते हैं, आपको उसी तरह से व्यवहार की उम्मीद करनी चाहिए।

तोशाखाना मामले में इमरान और उनकी पत्नी की अंतरिम जमानत सात जनवरी तक बढ़ी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने तोशाखाना से संबंधित दूसरे मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की अंतरिम जमानत सात जनवरी तक के लिए बढ़ा दी है। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (72) अन्य मामलों के कारण सलाखों के पीछे ही रहेंगे, जबकि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय द्वारा अक्टूबर में बीबी की जमानत याचिका मंजूर किए जाने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया था। इस्लामाबाद स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मोहम्मद अफजल मुजोका ने तोशाखाना से संबंधित दूसरे मामले में जमानत याचिकाओं की सुनवाई की। अदालत ने वकीलों की दलीलें सुनने के बाद खान और बीबी की अंतरिम जमानत अगले साल सात जनवरी तक बढ़ा दी और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। यह मामला खान के प्रधानमंत्री रहने के दौरान एक बहुमूल्य आभूषण सेट अपने पास रखने के लिए तोशाखाना (राज्य उपहार भंडार) के नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन करने से संबंधित है। एक निचली अदालत ने पिछले सप्ताह की शुरुआत में इस मामले में इमरान और बीबी को दोषारोपित किया था, जहां विशेष न्यायाधीश (सेंट्रल) शाहरुख अर्जुमंद ने उनके खिलाफ आरोप पत्र पढ़ा था। तोशाखाना से संबंधित दूसरे मामले में पूर्व प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी के खिलाफ मई 2021 में सऊदी अरब की यात्रा के दौरान उन्हें उपहार में मिले बुलगारी आभूषण सेट को अवैध रूप से अपने पास रखने का आरोप है।

न्यू जर्सी में दिखे ड्रोन से कोई खतरा नहीं, पेंटागन की सफाई

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी में ड्रोन देखे जाने के बाद अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने किसी भी सुरक्षा खतरे से इन्कार किया है। पेंटागन के प्रवक्ता ने कहा कि इससे राष्ट्र की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। कोई भी ड्रोन अमेरिका का नहीं है। हाल ही में न्यू जर्सी और पूर्वी तट के कुछ भागों में ड्रोन देखे गए हैं। इसे लेकर पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने कहा कि न्यू जर्सी में उड़ रहे ड्रोन रक्षा विभाग के नहीं हैं। वे व्यावसायिक ड्रोन हैं। यह मनोरंजन और शौकिया तौर पर उड़ाए जा रहे हैं। इनके किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा से खिलवाड़ मामलों में लिप्त होने की संभावना नहीं है। अगर इनसे कोई खतरा पैदा होगा।

इस्राइल की मदद करने पर अमेरिकी सरकार के खिलाफ मुकदमा, फलस्तीनियों ने लगाया मानवाधिकार हनन का आरोप

रामल्लाह, एजेंसी। गाजा के पांच फलस्तीनियों ने मानावधिकारों के हनन का आरोप लगाकर अमेरिकी सरकार के विदेश विभाग और वेस्ट बैंक के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में कहा गया है कि इस्राइली सेना को लगातार दी जा रही अमेरिकी सहायता के चलते फलस्तीनियों के मानवाधिकारों का गंभीर रूप से उल्लंघन हुआ। मुकदमे में अमेरिकी विदेश विभाग पर संघीय कानून को लागू करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया गया। कानून के मुताबिक अगर किसी देश की सेना न्याय के बिना हत्या और अत्याचार जैसे उल्लंघन करती है तो उसे किसी भी तौर पर धन हस्तांतरित नहीं किया जा सकता।

मुकदमे में कहा गया कि सात अक्तूबर को गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से इस्राइल लगातार मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। इसके बाद भी लीही कानून को लागू करने में अमेरिका के विदेश विभाग की विफलता चौंकाने वाली है। गाजा की एक शिक्षिका अमल गाजा ने यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मुकदमे में शिक्षिका ने कहा है कि उसे युद्ध शुरू होने के बाद से सात बार जबरन विस्थापित किया जा चुका है और उसके परिवार के 20 सदस्य इस्राइली हमलों में मारे जा चुके हैं।

गाजा शिक्षिका ने कहा कि अगर अमेरिका मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करने वाली इस्राइल की इकाइयों को सैन्य सहायता देना बंद कर दे, तो मेरी पीड़ा और मेरे परिवार को हुई क्षति काफी हद तक कम हो जाएगी। हमास ने बीते साल 7 अक्तूबर को इस्राइल पर बड़ा आतंकी हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 100 लोग हमास की कैद में हैं। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमला किया, जिसमें 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए।

क्या है लीही कानून : शिक्षिका ने लीही कानून के उल्लंघन से जुड़ा है। यह कानून एक तरह से संघीय विनियमन है। इसके तहत अगर कोई विदेशी सैन्य इकाई मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है तो अमेरिकी सरकार उसको धन मुहैया नहीं करा सकती है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक इन उल्लंघनों में यातना, न्यायेतर हत्याएं, जबरन गायब कर देना और दुष्कर्म शामिल है।

इस्राइल की लगातार मदद कर रहा अमेरिका : गाजा में लगातार हो रहे हमलों के बीच अमेरिका लगातार इस्राइल की आर्थिक मदद कर रहा है। वह इस्राइल को प्रतिवर्ष कम से कम 3.8 बिलियन डॉलर की सैन्य सहायता प्रदान करता है। वहीं युद्ध की शुरुआत होने के बाद से बाइडन प्रशासन ने इस्राइल को अतिरिक्त 17.9 बिलियन डॉलर दिए हैं। इस्राइल की ओर से किए गए इतने गंभीर हैं कि अगर लीही कानून लागू किया गया तो इसकी सैन्य इकाइयां अमेरिकी सहायता के लिए अयोग्य मानी जाएंगी। अगर अमेरिका हथियार भेजना बंद कर दे तो इस्राइल के लिए सैन्य अभियान जारी रखना संभव नहीं होगा।

इंश्योरेंस कंपनी के सीईओ की हत्या के आरोपी के खिलाफ मुकदमा शुरू, उम्रकैद की हो सकती है सजा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बीते दिनों यूनाइटेड हेल्थकेयर इंश्योरेंस कंपनी के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की हत्या के मामले में आरोपी के खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है। आरोपी लुइजी मैंगियोन के खिलाफ 11 आरोप तय हुए हैं, जिनमें हत्या, गोलीबारी और आतंकवाद जैसे आरोप शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी को अगर दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद की सजा तक हो सकती है।

आरोपी पर हत्या और आतंकवाद जैसे आरोप : न्यूयॉर्क के मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एलविन ब्राग ने कहा कि यह डरावनी, सुनियोजित हत्या थी। उन्होंने कहा कि यह हत्या शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, इससे स्थानीय लोगों, पर्यटकों, व्यापारियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हुआ है। यही वजह है कि आरोपी के खिलाफ आतंकवाद के भी आरोप लगाए गए हैं। 26 वर्षीय आरोपी मैंगियोन को अगर हत्या का दोषी पाया जाता है तो उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है।

बीती 4 दिसंबर को न्यूयॉर्क के मिडटाउन मेन होटल के बाहर यूनाइटेड हेल्थकेयर के बाहर ष्टश्वह्र ब्रायन थॉम्पसन (50 साल) की पीठ में एक नकाबपोश शख्स ने गोली मार दी। यूनाइटेड हेल्थकेयर अमेरिका की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी है। पुलिस ने हादसे के 5 दिन बाद आरोपी लुइजी मैंगियोन को पकड़ लिया।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की वापसी और टल गई है

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर नासा ने नया अपडेट जारी किया है। इसके मुताबिक अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की वापसी और टल गई है। गौरतलब है कि बीते कई महीनों से सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसे हुए हैं। इससे पहले वह फरवरी में धरती पर लौटने वाले थे। हालांकि नासा ने मंगलवार को कहा है कि उन्हें वापस लाने के मिशन में और देरी होगी। अब उन्हें कम से कम मार्च के अंत तक वहीं रहना होगा। वरिष्ठ अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून में बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट पर आईएसएस पहुंचे थे। यह मिशन सिर्फ आठ दिन का था लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आ गई और उनकी वापसी टल गई। अब नासा ने एक ब्लॉग पोस्ट में वापसी के लिए और इंतजार करने की खबर दी है। इससे आठ दिनों का यह मिशन 9 महीने से ज्यादा का हो जाएगा। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी के लिए एक दूसरा विमान अंतरिक्ष भेजा गया था। क्रू-9 के दो अंतरिक्ष यात्री सितंबर में ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए आईएसएस पहुंचे थे। इसमें सुनीता विलियम्स और विल्मोर के लिए दो खाली सीटें थीं। योजना यह थी कि फरवरी 2025 में चारों वापस घर लौट आएंगे। हालांकि नासा ने मंगलवार को कहा है कि क्रू-10, जो क्रू-9 और उन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आएगा, अब मार्च 2025 से पहले लॉन्च नहीं हो पाएगा। इससे पहले अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद उनकी हेल्थ को लेकर भी चिंताएं थीं। हालांकि उन्होंने ऐसी खबरों को खारिज किया था।

अमेरिका में सात में से एक परिवार पर्याप्त भोजन खरीदने में असमर्थ; 4.74 करोड़ लोग कर रहे ऐसे हालात का सामाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सात परिवारों में से एक को खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। आबादी के लिहाज से 4.74 करोड़ अमेरिकी नागरिक इस दायरे में आते हैं। इनमें 1.38 करोड़ बच्चे शामिल हैं। यह चौकाने वाला खुलासा अमेरिका के कृषि विभाग (यूएसडीए) की 2023 की 'संयुक्त राज्य अमेरिका में घरेलू खाद्य सुरक्षा' रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 5.1त्न अमेरिकी परिवारों (20 में से 1) ने बहुत कम खाद्य सुरक्षा का अनुभव किया, जो खाद्य असुरक्षा का एक और अधिक गंभीर रूप है, जहां परिवार नियमित रूप से भोजन छोड़ने या कम खाने की बात स्वीकारते हैं क्योंकि वे ज्यादा भोजन खरीद नहीं सकते।

अमेरिकी कृषि विभाग खाद्य सुरक्षा को इस तरह से परिभाषित करता है कि एक सक्रिय और स्वस्थ जीवन जीने के लिए हर समय हर व्यक्ति की पर्याप्त मात्रा में भोजन तक पहुंच होनी चाहिए। इस लिहाज से अमेरिका की खाद्य असुरक्षा से प्रभावित आबादी की या तो भोजन तक पहुंच नहीं है या उनके पास पर्याप्त भोजन खरीदने की क्षमता ही नहीं है। अश्वेत परिवारों में खाद्य असुरक्षा की दर सबसे अधिक 23.3त्न है। इसके बाद लैटिन अमेरिकी आबादी में यह दर 21.9त्न है। श्वेत परिवारों की तुलना में ये दरें दोगुनी हैं, क्योंकि 9.9त्न श्वेत परिवार खाद्यान्न के मामले में असुरक्षित हैं।

रूस ने कैंसर की वैक्सीन बनाई : पुतिन सरकार ने कहा- 2025 से मुफ्त लगाएंगे; यह सदी की सबसे बड़ी खोज

मॉस्को, एजेंसी। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। इसकी जानकारी रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने रेडियो पर दी। रूसी न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, इस वैक्सीन को अगले साल से रूस के नागरिकों को फ्री में लगाया जाएगा। डायरेक्टर आंद्रेई ने बताया कि रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी मैसेंजर-आरएनए वैक्सीन विकसित कर ली है। रूस की इस खोज को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि इससे ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद मिलती है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है।

क्या होती है मैसेंजर-आरएनए वैक्सीन : मैसेंजर-आरएनए इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो द्वऋ्द टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए

प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है।

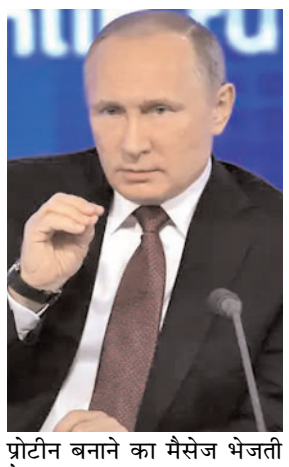

इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है। इसके साथ ही इससे शरीर की इम्युनिटी भी मजबूत होती है। द्वऋ्द टेक्नोलॉजी पर आधारित यह कैंसर की वैक्सीन पहली वैक्सीन है।

भारत में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को कैंसर : भारत में 2022 में कैंसर के 14.13 लाख नए केस सामने आए थे। इनमें 7.22 लाख महिलाओं में, जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कैंसर पाया गया। 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई।

5 साल में भारत में 12फ़िसदी की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे : इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) का आकलन है कि 5 साल में देश में 12 फ़िसदी की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती कम उम्र में कैंसर का शिकार होने की है। नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, कम उम्र में कैंसर की सबसे बड़ी वजहों में हमारी लाइफस्टाइल है। ग्लोबल कैंसर ऑब्जरवेटरी के आंकड़ों के अनुसार, 50 साल की उम्र से पहले ब्रेस्ट, प्रोस्टेट और थायराइड कैंसर सबसे ज्यादा हो रहे हैं। भारत में ब्रेस्ट, मुंह, गर्भाशय और फेफड़ों के कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.4 तीव्रता का भूकंप आने से भारी नुकसान

सिडनी, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत महासागरीय देश वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में मंगलवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे राजनयिक मिशन सहित कुछ इमारतों को काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में स्थानीय समयानुसार 12 : 47 बजे आया, जिसकी गहराई 43 किलोमीटर थी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) के हवाले से बताया कि वानुअतु में आए भूकंप के बाद पोर्ट विला के एक अस्पताल में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और सामूहिक नुकसान की संख्या के लिए आपातकालीन व्यवस्था की गई। गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने बताया, संचार व्यवस्था बाधित होने, फोन लाइन्स और सरकारी वेबसाइट्स के बंद होने के कारण नुकसान की सीमा के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई, लेकिन भूकंप के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर व्यापक विनाश की खबरें सामने

आने लगी। फिजी में रेड क्रॉस के प्रवक्ता ने बताया कि जमीन पर मौजूद कर्मचारी काफी नुकसान की रिपोर्ट कर रहे हैं। वानुअतु प्रसारण और टेलीविजन निगम के कई फुटेज में विला सेंट्रल अस्पताल के बाहर भीड़ दिखाई दे रही है, जो घायल लोगों को स्ट्रेचर पर उठा रही है। गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने पोर्ट विला में रहने वाले पत्रकार डैन मैकगैरी के हवाले से कहा कि उन्होंने अस्पताल के बाहर तीन लोगों को स्पष्ट रूप से संकट में देखा। मैकगैरी ने कहा, यह मेरे द्वारा वानुअतु और प्रशांत द्वीप समूह में रहने के दौरान 21 वर्षों में अनुभव किया गया सबसे भयंकर भूकंप था। मैंने बहुत सारे बड़े भूकंप देखे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा। एबीसी ने बताया कि भूकंप में ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और न्यूजीलैंड के दूतावास भवन क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि न्यूजीलैंड के उच्चायोग भवन, जो अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटिश मिशनों के साथ स्थित हैं, उसे काफी नुकसान पहुंचा है।

सीरिया में 8,80,000 से अधिक लोग हुए विस्थापित : यूएन

वॉशिंगटन, एजेंसी। सीरिया में हिंसक संघर्ष बढ़ने के बाद 8,80,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्ताओं ने यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के सहयोगियों ने अनुमान लगाया है कि लगभग 6 प्रतिशत विस्थापित कम से कम एक प्रकार की विकलांगता के साथ जी रहे हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा, वापसी की गतिविधियां तेज हुई हैं, सहयोगियों ने रविवार को 2,20,000 से अधिक लोगों के लौटने की सूचना दी है। वहीं, इसके अतिरिक्त, 40,000 से अधिक विस्थापित लोग पूर्वोत्तर सीरिया में लगभग 250 सामूहिक केंद्रों में रह रहे हैं। कार्यालय ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र और भागीदार भोजन, पानी, नकदी, टेंट और कंबल की सप्लाई कर रहे हैं। वहीं, वैश्विक टीम मेडिकल टीम और आपूर्ति भी तैनात कर रहा है। सीरियाई अरब रेड क्रिसेंट और रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूएनआईसीईएफ) के सहयोग से शुक्रवार को सीरिया के अलेप्पो प्रांत में तिशरीन बांध की सुविधा की तत्काल और महत्वपूर्ण मरम्मत के लिए एक संयुक्त मिशन चलाया। यूएनआईसीईएफ ने बैकअप जनरेटर को बिजली देने के लिए ईंधन की भी व्यवस्था की, जिससे बांध की सुरक्षित जल निकासी और जल आपूर्ति की सुरक्षा हो सके। पिछले सप्ताह बांध के पास हिंसा के कारण बिजली सप्लाई बाधित हुई, पानी और अन्य प्रमुख सेवाएं बाधित हुईं, जिससे क्षेत्र के लाखों लोग प्रभावित हुए। सोमवार को, मानवीय मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव और इमरजेंसी रिलीफ कोऑर्डिनेटर टॉम फ्लेचर ने राहत प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए दमिश्क में सीरियाई संक्रमणकालीन अधिकारियों से मुलाकात की।

जेलेंस्की का दावा : रूसियों ने जलाया उत्तर कोरियाई सैनिक का शव

सोल, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंकी ने एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि इसमें एक रूसी सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिक के शव को आग लगा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य रूस के साथ लड़ रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों की उपस्थिति को छिपाना है। जेलेंस्की ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए एक वीडियो में यह दावा किया। इसमें आंशिक रूप से जलती हुई लाश दिखाई दे रही थी। इसका अंग्रेजी सबटाइटल था, रूसी, उत्तर कोरियाई सैनिकों के मरने के बाद भी उनके चेहरे छिपाने की कोशिश करते हैं। 30 सेकंड के वीडियो में एक संदिग्ध उत्तर कोरियाई सैनिक का क्लोज-अप और अन्य फुटेज भी शामिल है, जिसमें एक एशियाई सैनिक कैमरे के सामने नहीं, नहीं कह रहा है, जबकि बैकग्राउंड में एक अन्य व्यक्ति कह रहा है, उसे मास्क लगाने के लिए कहो। मास्क लगाओ। जेलेंस्की ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात करने और उनकी उपस्थिति को छिपाने का प्रयास करने के लिए रूसी सेना की निंदा की, उन्होंने कहा कि मास्को को इस तरह के अनादर के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, रूस न केवल यूक्रेनी ठिकानों पर हमला करने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को भेजता है, बल्कि इन लोगों के नुकसान को छिपाने की भी कोशिश करता है। और अब, हमारे योद्धाओं के साथ पहली लड़ाई के बाद, रूसी कोशिश कर रहे हैं... युद्ध में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों के चेहरे को सचमुच जलाने की। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह वीडियो रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग के बीच सामने

आया है। शनिवार को, यूक्रेन के रक्षा खुफिया अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेनी बलों के खिलाफ संयुक्त इकाइयों में लड़ते हुए लगभग 200 रूसी और उत्तर कोरियाई सैनिकों के मारे जाने का अनुमान है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि उत्तर कोरिया को काफी सैनिकों का नुकसान हुआ है।

हसीना के खिलाफ आरोपों की जांच की समय सीमा 2 माह बढ़ी; हाईकोर्ट ने बहाल की कार्यवाहक सरकार प्रणाली

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने मंगलवार को अपदस्थ पीएम शेख हसीना (77) के खिलाफ आरोपों की जांच पूरी करने की समय सीमा 2 माह बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि जांच की समय सीमा 18 फरवरी तक बढ़ाई जाती है। जुलाई-अगस्त में छात्र नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान नरसंहार के लिए हसीना व पूर्व मंत्रियों सहित 45 के खिलाफ मामला दर्ज है। हसीना 5 अगस्त से भारत में रह रही हैं। इस बीच, दो केस की जांच मंगलवार को पूरी होनी थी, लेकिन जांच एजेंसी ने और समय मांगा है। हाईकोर्ट ने बहाल की कार्यवाहक सरकार प्रणाली बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के हाईकोर्ट डिवीजन ने संविधान में 15वें संशोधन को आंशिक रूप से रद्द करते हुए देश में कार्यवाहक सरकार प्रणाली को बहाल कर दिया। कोर्ट ने कहा, 2011 में 15वें संशोधन का फैसला अनुचित था। भारत 1971 की जीत में महज एक सहयोगी-नजरूल बांग्लादेश के विधि सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा, भारत 1971 की जीत में 'सिर्फ सहयोगी था, ज्यादा कुछ नहीं'। यह बात पीएम मोदी के विजय दिवस पोस्ट पर कही।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शहर पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत ने सावधानी के तौर पर आदेश दिया है कि पतंग की डोर से दुर्घटना न हो

टू-व्हीलर वाहनों पर सेफ्टी गार्ड लगाना अनिवार्य होगा

किसी भी वाहन चालक को अपने वाहन के आगे छोटे बच्चों को नहीं बैठाने का निर्देश दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में आगामी उत्तरायण पर्व के अवसर पर हर साल पतंग की डोर से निर्दोष व्यक्तियों की जान चली जाती है, खासकर छोटे बच्चे इसका शिकार बनते हैं। इसे रोकने के लिए, शहर के पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत ने एहतियात के तौर पर आदेश दिया है कि पतंग की डोर से दुर्घटनाओं को रोकने के लिए टू-व्हीलर वाहनों पर सेफ्टी गार्ड लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही, किसी भी वाहन चालक को अपने वाहन के आगे छोटे बच्चों को बैठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सूरत शहर में आगामी उत्तरायण त्योहार को ध्यान में रखते हुए, पतंग की डोर से गले कटने के कारण वाहन चालकों को गंभीर चोटें या मौत होने की घटनाएं सामने आती हैं। इसे रोकने के लिए पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत, क्राइम कमिश्नर हितेंद्र चौधरी, डिप्टी पुलिस कमिश्नर अमिताबेन वानी, और सहायक पुलिस कमिश्नरों परमार, गामित, टंडेल, और शेख के साथ विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में पतंग की डोर से होने वाली चोटों और मौतों को रोकने के लिए सूरत शहर में पहली बार कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

पुलिस आयुक्त गहलोत ने आदेश दिया है कि 17 जनवरी तक सभी टू-व्हीलर वाहन चालकों को अपने वाहनों के आगे सेफ्टी गार्ड लगाना और अपने गले में सेफ्टी बेल्ट पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही, वाहन चालक अपने वाहनों के आगे छोटे बच्चों को नहीं बैठाएंगे। इन निर्देशों का उद्देश्य वाहन चालकों को गंभीर चोटों और मौतों से बचाना है।

शहर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को इन आदेशों के पालन के लिए निर्देशित किया गया है। इस अभियान के तहत मानव जीवन की रक्षा के लिए जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है।

हर साल पतंग की डोर से चोटों और मौतों की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसे रोकने के लिए पुलिस आयुक्त ने नागरिकों की भलाई में सख्त कदम उठाए हैं। सूरत, जो राज्य में ब्रिज सिटी के रूप में जानी जाती है, में ब्रिज और मकानों की छतों की समान ऊंचाई के कारण वाहन चालकों के लिए पतंग की डोर का खतरा अधिक हो जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए, सूरत नगर निगम और अधिकारियों को शहर के विभिन्न ब्रिजों पर पोल-टू-पोल तार लगाने का निर्देश दिया गया है ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

इसके अलावा, सूरत ट्रैफिक पुलिस ने यातायात समस्या को हल करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। पहली बार, आईटी के छात्रों द्वारा एक प्रोजेक्ट के माध्यम से सोशल मीडिया के जरिए ट्रैफिक की सटीक जानकारी और दिशानिर्देश देने वाला सॉफ्टवेयर तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वाहन चालक ट्रैफिक जाम में न फंसें और सुरक्षित यात्रा कर सकें।

सूरत शहर में ट्रैफिक समस्या एक जटिल मुद्दा है। इसे हल करने के लिए, शहर के आईटी प्रोफेशनल छात्रों को ट्रैफिक सर्वेक्षण करने और ऐसा सॉफ्टवेयर बनाने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिससे गूगल की तरह ट्रैफिक जाम और ट्रैफिक की जानकारी नागरिकों को विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से प्रदान की जा सके। इस पहल के तहत दो आईटी एनजीओ सामने आए हैं।

इसके अलावा, राज्य में पहली बार, ट्रैफिक पुलिस पीक आवर्स में ट्रैफिक समस्या को हल करने के लिए ड्रोन का उपयोग करेगी। सूरत ट्रैफिक पुलिस द्वारा यह अभियान अगले एक-दो दिनों में शुरू किया जाएगा। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत खुद ट्रैफिक अधिकारियों के साथ ड्रोन ट्रायल का निरीक्षण करेंगे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस आयुक्त इस पहल को लेकर काफी उत्साहित हैं।

पुलिस आयुक्त द्वारा किए गए भगीरथ प्रयासों का लाभ आज सूरत के नागरिकों को मिल रहा है। उत्तरायण त्योहार को लेकर सूरत पुलिस आयुक्त ने विभिन्न सार्वजनिक घोषणाएं जारी की हैं। पतंग की डोर के कारण होने वाली घातक घटनाओं को रोकने के लिए, स्थानीय पुलिस को विशेष चेकिंग करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही, चाइनीज डोर और तुक्कल (पतंगों की सामग्री) पर प्रतिबंध लगाया गया है। डिप्टी पुलिस कमिश्नर हेतलबेन पटेल ने यह जानकारी दी है।

इस पहल का उद्देश्य सूरत के नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक ट्रैफिक और त्योहार अनुभव प्रदान करना है।

सब्जी बाजार में ठेला लगाने के मामले में एक महिला के साथ मारपीट

युवक द्वारा महिला को घूंसे-थप्पड़ मारने और बाल खींचने का वीडियो हुआ वायरल

पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन GIDC क्षेत्र में सब्जी बाजार में ठेला लगाने के मुद्दे पर हुई मारपीट का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें एक युवक को महिला के साथ मारपीट करते और उसके बाल खींचते हुए देखा जा सकता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए, सचिन पुलिस स्टेशन की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

ठेला लगाने को लेकर विवाद

सवराज कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित सब्जी बाजार में ठेला लगाने को लेकर बहस हुई, जो बाद में झगड़े में बदल गई। वायरल वीडियो में एक युवक महिला को घूंसे-थप्पड़ मारते और उसके बाल खींचते हुए दिखाई दे रहा है। यह झगड़ा ठेला लगाने के विवाद तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि महिला पर शारीरिक हमला किया गया। घटना 18 दिसंबर, 2024 को शाम करीब 4 बजे की है। सब्जी बेचने वाली पीड़िता के साथ आरोपियों ने ठेला लगाने को लेकर बहस की। यह बहस हिंसक झगड़े में बदल गई, और आरोपियों ने महिला को घूंसे-थप्पड़ मारने के साथ-साथ शारीरिक और मौखिक रूप से परेशान किया।

इस मामले में सचिन GIDC पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर IPC की धारा 115(2), 35-1(3), 353 और 504 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी

1.राकेश बीरजू चौहान (उम्र 21)
2.गोलू बीरजू चौहान (उम्र 18)
3.उर्मिला बीरजू चौहान (उम्र 42)

पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने 21 साल से फरार चल रहे वाहन चोरी के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वर्ष 2003 में सूरत के वराछा पुलिस स्टेशन में दर्ज वाहन चोरी के मामले में वांटेड आरोपी को आखिरकार राजस्थान से गिरफ्तार किया गया है। चोरी करने के बाद फरार आरोपी ने साधु का वेश धारण कर लिया था।

गिरफ्तार आरोपी का परिचय

गिरफ्तार आरोपी का नाम **छेलसिंह रामसिंह गैवया** (उम्र 51) है। वह मूल रूप से राजस्थान के बालोतरा जिले के सिवाना गांव का निवासी है।

पुलिस की विशेष मुहिम

सूरत शहर के डिप्टी पुलिस कमिश्नर (क्राइम) की टीम ने 18 दिसंबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया।

पुलिस की एक टीम ने जनरल स्क्वॉड के पुलिस सब-इंस्पेक्टर के नेतृत्व में सिवाना गांव में रामदेवपीर मंदिर के पास गुप्त सूचना के आधार पर नजर रखी। सटीक योजना बनाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

घटना का विवरण

- वर्ष 2003 में छेलसिंह वराछा क्षेत्र में रहता था।
- उसी दौरान उसने वराछा क्षेत्र से हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक (कीमत 27,000) चुराई थी।
- अपराध के बाद वह फरार होकर राजस्थान के सिवाना गांव में जाकर छिप गया और साधु का वेश धारण कर लिया।

साधु के रूप में जीवन

आरोपी ने अपनी पहचान छुपाने के लिए साधु का रूप धारण किया और रामदेवपीर मंदिर में पुजारी के रूप में काम करने लगा। वह सिवाना गांव में सामान्य जीवन व्यतीत करता रहा, जिससे किसी को उसके आपराधिक अतीत का पता नहीं चला।

गिरफ्तारी और आगे की कार्रवाई राजस्थान में आरोपी के रहने की सूचना मिलते ही पुलिस ने टीम भेजकर रामदेवपीर मंदिर के पास नजर रखी और उसे गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी से 21 साल पुराने चोरी के मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई संभव हो पाई है।

यह घटना दिखाती है कि अपराधी कितना भी छिपने की कोशिश करें, कानून की पकड़ से बच नहीं सकते।

सूरत में सरकारी वाहनों के डिपो में सीसीटीवी की कमी का मामला सामने आया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लिम्बायत वाहन डिपो से डिमोलिशन के मलबे में से करीब 30 टन छड़ चोरी होने का आरोप कांग्रेस के पूर्व कॉर्पोरेटर द्वारा लगाया गया है। जहां करोड़ों की सरकारी संपत्ति रखी जाती है, वहां सुरक्षा के लिए कोई CCTV नहीं है। इस पर पूर्व कॉर्पोरेटर ने चिंता जताई और भविष्य में बड़ी चोरी होने पर जिम्मेदार कौन होगा, इस सवाल उठाया। उन्होंने इस घटना की विजिलेंस जांच की मांग की है।

आंजणा वाहन डिपो में करीब 30 टन मलबे की छड़ पड़ी थी। कांग्रेस के पूर्व कॉर्पोरेटर असलम सायकलवाला ने बताया कि अगस्त 2024 में जर्जर मान दरवाजा टेनामेंट (ए, बी, और सी टाइप) को डिमोलिशन के लिए टेंडर जारी किया गया था। इस टेंडर में यह स्पष्ट किया गया था कि डिमोलिशन के बाद वहां से सामग्री को ले जाने का काम होगा, और इसकी पूरी जिम्मेदारी सुरत महानगरपालिका की थी।

उन्होंने कहा कि मान दरवाजा से दो किलोमीटर दूर आंजणा वाहन डिपो में डिमोलिशन के मलबे से छड़ रखी गई थी, लेकिन आरोप है कि इस सामग्री को वर्तमान किरायेदार द्वारा चुपके से निकाल लिया। इसके लिए 4 लाख रुपये का बिल भी भुगतान किया गया था, लेकिन डिपो पर कोई CCTV नहीं है, जिससे चोरी करने वाले और इसकी प्रक्रिया का पता नहीं चल सका। यहां सुरक्षा के नाम पर केवल एक 65 वर्षीय सुरक्षा गार्ड तैनात है। इस घटना की विजिलेंस जांच की जानी चाहिए और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

2021 में मनपा द्वारा मान दरवाजा टेनामेंट से मानव आवास खाली करवाए गए थे, और उस दौरान एक गैलरी के टूटने से एक ऑटो रिक्शा को नुकसान हुआ था, लेकिन कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ था।

बिना पोस्ट मैन के ही पहुँचने वाला पत्र है प्रार्थना-गौरव कृष्ण गोस्वामी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन व्यासपीठ से गौरव कृष्ण गोस्वामी ने बताया की प्रार्थना एक ऐसी संस्तुति है जो अपने इष्ट के प्रति बिना किसी देरी के बिना किसी के सहारे तुरंत परमात्मा के पास पहुँच जाती है। उन्होंने बताया कि संसार की किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने के लिये पोस्टमैन की आवश्यकता पड़ती हैं, लेकिन हृदय से समर्पित की गई प्रार्थना एक ऐसी अभिव्यक्ति है जो बिना किसी पोस्टमैन के ही तुरंत गन्तव्य स्थान तक पहुच जाती है।

महाराज ने कहा कि देवहूति जी ने पति कर्दम के वन की ओर चले जाने पर पुत्र कपिल के पास आई और प्रार्थना करते हुए बोली कि हे प्रभु हमें संसार के बंधन से मुक्त होने का मार्ग प्रदान करें। मां देवहूति की प्रार्थना को भगवान कपिल ने तुरंत स्वीकार किया और ऐसा उपदेश प्रदान किया कि देवहूति जी संसार सागर से मुक्त होकर सिद्धिरा नाम की नदी के रूप में परणित होकर मुक्त हो गई।

परम भक्त ध्रुव जी के चरित्र पर व्याख्यान देते हुए उन्होने कहा कि मात्र पांच वर्ष की अवस्था में ध्रुव को दर्शन देकर अखण्ड राज्य प्रदान करते हुए उनके लिये ध्रुव लोक का निर्माण में कर दिया।

आचार्य श्री ने बताया कि प्रभु के दर्शन के लिये व्यक्ति को सत्संग सेवा सुमिरन में हमेशा लीन रहना चाहिये। अपने को मानव बनाने का प्रयत्न करो तुम यदि इसमें सफल हो गये तो तुम्हे इस कार्य में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होगी।

कुसंगति की अपेक्षा अकेले रहना सबसे उत्तम कार्य है। कल की कथा में विशेष महोत्सव के रूप में श्री कृष्ण जन्म(नन्दोत्सव) विशेष धूम धाम से मनाया जायेगा। इस मौके पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष कमल टाटनवाला, बसंत अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

आयोजन में शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें गायकार स्थानीय राजू गाड़ोदिया के अलावा मुंबई के गोविंद शर्मा एवं कोलकाता के विवेक शर्मा ने भजनों की एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी।

अमित शाह के आंबेडकर विवाद पर गुजरात में बवाल

अहमदाबाद के सारंगपुर इलाके में कांग्रेस विधायक ने अमित शाह के पोस्टर जलाए एनएसयूआई ने पुलिस की बस पर चढ़कर लगाए नारे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

घटना का विवरण

गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर से जुड़े बयान पर विवाद गहराता जा रहा है। गुजरात में इसका असर स्पष्ट रूप से देखने को मिला। अहमदाबाद के सारंगपुर इलाके में कांग्रेस विधायक ने उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए अमित शाह के पोस्टर जलाए।

एनएसयूआई का विरोध

- एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) के सदस्यों ने भी इस मामले को लेकर आक्रोश व्यक्त किया।
- प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बस पर चढ़कर नारेबाजी की और जोरदार प्रदर्शन किया।

पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को काबू में करने के लिए त्वरित कार्रवाई की।

- पोस्टर जलाने और बस पर चढ़ने के आरोप में कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।
- पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है ताकि कोई और अप्रिय घटना न हो।

विवाद की पृष्ठभूमि गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान को लेकर दलित संगठनों और विपक्षी दलों ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस और एनएसयूआई जैसे संगठन इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

अहमदाबाद में तनाव

इस विरोध प्रदर्शन के चलते सारंगपुर इलाके में तनाव का माहौल है। प्रशासन ने स्थिति पर नियंत्रण रखने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है।

यह मामला गुजरात में राजनीतिक हलचल का कारण बन रहा है और आने वाले दिनों में इसके और बढ़ने की संभावना है।

संसद में अमित शाह के बाबासाहेब आंबेडकर पर किए गए विवादास्पद बयान को लेकर गुजरातभर में विरोध देखा जा रहा है। अहमदाबाद में एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) ने गुजरात विश्वविद्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर और नारे लगाते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ता विरोध कर रहे थे, जिन्हें पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार कर लिया।